बाइरैक i3

प्रेरण • नवप्रवर्तन • व्यवसाय

birac® Ignite Innovate Incubate

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद
(भारत सरकार का उपक्रम)

अक्टूबर – दिसंबर 2021

सं.4 अंक 8

बाइरैक

संपादकीय समिति

डॉ. शिरशेन्दु मुखर्जी
मिशन निदेशक
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री गिन्नी बंसल
परामर्शदाता (सचांर)
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री हिमांशी शर्मा
परामर्शदाता (संचार)
राष्ट्रीय बॉयोफार्मा मिशन

डिज़ाइन और उत्पादन
गोल्डमाइन एडवरटाइजिंग लिमिटेड, 4834/24, प्रथम तल, किरण मैंशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली–110002

अनुक्रमणिका

इस अंक में

नेतृत्वकर्ता का संदेश 03

मुख्य संपादक के विचार 04

बाइरैक की मुखाकृति 05

मिशन कोविड सुरक्षा

बाइरैक की रिपोर्ट 08

बेंगलुरु टेक शिखर सम्मेलन 2021 (बीटीएस 2021)

फर्स्ट हब – सुविधा और प्रभाव के तीन वर्ष

एसआरआईएचईआर में बायोनेस्ट हेल्थ केयर इनोवेशन इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

एनईएचयू, तुरा कैंपस, मेघालय में बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर सेंटर का उद्घाटनः स्टार्टअप्स, उद्यमियों और नवोन्मेषकों के लिए अवसर

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2021 (आईआईएसएफ 2021)

बायोनेस्ट नेटवर्क अपडेट 15

इनक्यूबेटर का नामः क्रिसेंट इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन काउंसिल (सीआईआईसी)

वेंचर स्टूडियो अहमदाबाद विश्वविद्यालय

ओजस मेडटेक बायोनेस्ट – आईआईआईटी हैदराबाद

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत रोड शो 30

मानव संसाधन एवं प्रशासनिक गतिविधियाँ 37

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

लचीलापन और तनाव प्रबंधन पर प्रशिक्षण

साझेदारियां 39

ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

राष्ट्रीय कार्यक्रम 40

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन

स्वागतम

हमें अपने बाइरैक परिवार में नए सदस्यों यानी कि डॉ. अलका शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार, डीबीटी एवं एमडी बाइरैक और डॉ राजेश एस गोखले को सचिव डीबीटी एवं अध्यक्ष बाइरैक के रूप में शामिल होने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

राष्ट्रीय प्रतिरक्षाविज्ञान संसथान (एनआईआई) नई दिल्ली के एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, डॉ राजेश एस गोखले को 1 नवंबर, 2021 से प्रभावी जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के सचिव, भारत सरकार, बाइरैक के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। वैज्ञानिक जगत में उनके योगदान ने उन्हें न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी मान्यता दिलाई है। डॉ. गोखले तपेदिक अनुसंधान में विश्व के अग्रणी लोगों में से एक हैं और रोगजनकों की चयापचय विविधता पर अपने अध्ययन के लिए लोकप्रिय रूप से जाने जाते हैं। उन्हें लॉन्ग–चेन फैटी एसाइल–एएमपी लिगासेस (एफएएएल) की एक जाति की खोज करने के द्वारा मान्यता प्राप्त हुई है और उनके अध्ययन ने माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में फैटी एसिड सिंथेसिस और पॉलीकेटाइड सिंथेसिस के बीच जैव रासायनिक मिश्रित वार्तालाप को स्पष्ट करने में सहायता की है। डॉ. गोखले कई पेशेवर और शैक्षणिक निकायों और समाजों के सदस्य रह चुके हैं। डॉ. गोखले ने मेटाबोलिक रीप्रोग्रामिंग और इम्युनिटी ऑटोइम्यून स्किन डिसऑर्डर विटिलिगो के बीच परस्पर क्रिया को समझने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. गोखले खेल के प्रति काफी उत्साही हैं और उनका दृढ़ विश्वास है कि खेल एक महान समभाव है और इसलिए यह जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी डिवीजन में डॉ. अलका शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार, डीबीटी को 10 अक्टूबर, 2021 से बाइरैक के एमडी के रूप में नियुक्त किया गया है। डॉ. अलका ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के साथ मेड–टेक इनोवेशन; जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न डोमेन–विशिष्ट क्षेत्रों पर प्रारंभिक और देर से अनुवाद संबंधी अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जैसे कि वैक्सीन पर अनुसंधान एवं विकास; निदान; स्टेम सेल और पुनर्योजी दवा; बायोमेडिकल इंजीनियरिंग; बायो डिजाइन; नवाचार से प्रेरित अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और उत्पाद के विकास के लिए देश भर में जैव समूहों की स्थापना करना। वह देश भर में सार्वजनिक–निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और समर्थन करने में सहायक रही हैं और उन्होंने शहरी/ग्रामीण स्थानों में बड़ी संख्या में रोगियों के लिए स्वदेशी और सस्ती प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप कई स्टार्ट–अप का निर्माण हुआ है; जैसे कि कार्यात्मक जैव चिकित्सा उपकरण प्रोटोटाइप का विकास; प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण; देश में मेड–टेक इनोवेटर्स के एक समूह का निर्माण। उनके पास कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पेटेंट हैं और उन्होंने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र और लेख भी प्रकाशित किए हैं। उन्हें अपने काम के लिए "सीएसआईआर टेक्नोलाजी अवार्ड फॉर इनोवेशन" भी मिला है।

हमें पूरा विश्वास है कि डॉ. राजेश एस. गोखले और डॉ. अलका शर्मा के नेतृत्व के साथ, हम महान मूल्य, समर्थन और नवाचार प्रदान करना जारी रखेंगे। इन सम्मानित हस्तियों के मार्गदर्शन में, हम बाइरैक के एक शानदार भविष्य की कल्पना करते हैं।

नेतृत्वकर्ता का संदेश

श्री राजेश गोखले
सचिव, बायोटेक्नोलॉजी विभाग और अध्यक्ष, बाइरैक

एक शोधकर्ता, उद्यमी और अब एक विज्ञान प्रशासक होने के नाते, डीबीटी और बाइरैक परिवार में शामिल होना मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक मज़ेदार अनुभव रहा है।

पिछले तीन वर्ष हमारे देश में मजबूत बुनियादी विज्ञान कौशल और क्षमताओं के महत्व को सामने लाये हैं, जो इसके बाद अनुवादकीय विज्ञान को आधार प्रदान करते हैं। दुनिया भर में और भारत के अंदर कोविड–19 की वैक्सीन लगाने की कहानी इसका प्रमाण है। वैज्ञानिक, औद्योगिक और सरकार ने एक साथ रैली की, एक सार्वजनिक खतरे का सामना किया, और सभी को कुछ प्रदान करने के लिए अथक प्रयास किया है।

बायोटेक इंडस्ट्री ने पिछले कुछ दशकों में एक प्रभावशाली विकास विकास की उड़ान भरी है, भारत सरकार ने विभिन्न विभागों और एजेंसियों, जैसे कि डीबीटी और बाइरैक के माध्यम से स्टार्ट–अप, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को विभिन्न तंत्रों के माध्यम से सहायता प्रदान की है और देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम किया है। बाइरैक देश में बायोटेक उद्यमिता की संस्कृति का पोषण करने में सक्षम रहा है, आम पहुंच के बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, और 60 विश्व स्तरीय बायोनेस्ट इन्क्यूबेटरों का निर्माण कर रहा है जो 1500 से अधिक भौतिक इनक्यूबेटियों की सेवा में तत्पर हैं। बाइरैक विभिन्न साझेदारी कार्यक्रमों जैसे कि ग्रैंड चैलेंजेस इंडिया, नेशनल बायोफार्मा मिशन, विश या टीआईई विनर जैसे नवाचार पुरस्कारों के माध्यम से और विभिन्न फंडिंग योजनाओं जैसे कि बीआईजी, बीआईपीपी, एसबीआईआरआई, पेस, स्पर्श आदि के माध्यम से भारतीय स्टार्टअप्स द्वारा उत्पाद/प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा दे रहा है।

स्वदेशी ब्ट्प्फ वैक्सीन के विकास और उत्पादन में तेजी लाने के लिए, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा बायोटेक की पहचान की गई है, ताकि मिशन कोविड सुरक्षा कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके, जो कि जल्द से जल्द त्वरित वैक्सीन उत्पादन के लिए उपलब्ध संसाधनों को समेकित और सुव्यवस्थित करने पर केंद्रित है, जिसमें एक आत्मनिर्भर भारत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

जैसा कि महामारी की प्रकृति उम्मीद द्वारा बेहतर के लिए बदलती है, और समाज व व्यवसाय सामान्य स्थिति में लौटकर प्रतिक्रिया करते हैं, तो यह वैज्ञानिक समुदाय की जिम्मेदारी है कि वे पिछले 3 वर्षों द्वारा अच्छे और बुरे से सबक लें और आगे इसके लिए तैयार रहें। ऐसा करने के लिए, हमें अपने संसाधनों और गतिविधियों को मजबूत बनाना होगा, और अपने लोगों और अपने संस्थानों में निवेश करना होगा। हमें यह भी याद रखने की जरूरत है कि विज्ञान को पूरे समाज की सेवा करने की जरूरत है और कई चुनौतियां जो महामारी से पहले थीं, वह आज भी हैं और हम उन्हें नहीं भूल सकते।

पिछले कई वर्षों में बहुत कुछ अच्छा किया गया है, और हमें भविष्य में भी इस उड़ान को जारी रखने की आवश्यकता है। जैसा कि हम 2022 में आगे बढ़ रहे हैं, हमारे पास देश की सेवा करने के लिए विकास के नए अवसरों के साथ आगे देखने के लिए बहुत कुछ है।

बाइरैक में हम अपने सभी विशेषज्ञों, उद्यमियों, शोधकर्ताओं और भागीदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं ताकि हमारे राष्ट्र के लिए जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता का एहसास हो सके।

मुख्य संपादक के विचार

डॉ. अलका शर्मा

वरिष्ठ सलाहकार डीबीटी एवं प्रबंध निदेशक–बाइरैक

यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे बाइरैक परिवार का हिस्सा बनने और बायोटेक एंटरप्रेन्योरियल इकोसिस्टम के एक सक्षम कार्यकारी के रूप में काम करने का अवसर मिला है ताकि न केवल देश के लिए बल्कि बाकी दुनिया के लिए परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए अपनी ताकत और क्षमता का लाभ उठाया जा सके।

जैव प्रौद्योगिकी में भविष्य का उद्योग बनने की अपार संभावनाएं हैं। बाइरैक ने भारत के बायोटेक क्षेत्र को वैश्विक मानचित्र पर लाने के लिए एक कार्यवाही योग्य रोडमैप तैयार करने के लिए भारत की क्षमता का प्रदर्शन करने का बीड़ा उठाया है। डीबीटी–बाइरैक ने पूरे देश में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देके और क्षमता निर्माण में सुधार करके भारतीय जैव प्रौद्योगिकी उद्योग को एक सक्षम वातावरण प्रदान किया है। एंटरप्रेन्योरियल इकोसिस्टम को तीव्र गति से आगे ले जाया जा रहा है जो कि पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार में बड़ा निवेश है। डीबीटी–बाइरैक ने कई पहलें की हैं जिन्हें नवाचार पर आधारित उद्यमिता विचारों को अवसर प्रदान करने के लिए विकसित और संरेखित किया गया है।

बाइरैक अपने अन्वेषकों, स्टार्टअप्स, एसएमई और उद्योगों को लागत–प्रतिस्पर्धी तरीके से गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन में दक्षताओं का निर्माण करने में सहायता कर रहा है जो विश्व स्तर पर मुकाबला कर सकते हैं। हमारा ध्यान हमारे उन स्टार्टअप्स की मदद करने पर है, जिन्हें बाइरैक ने सफलतापूर्वक विकसित होने और स्थापित उद्यम बनने में मदद की है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रीय मिशन कार्यक्रमों के साथ बाइरैक का संरेखण भी देश की अधूरी जरूरतों को पूरा करने वाली स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास में मदद कर रहा है। ग्लोबल बायो इंडिया 2019 जैसे कार्यक्रमों ने भारतीय बायोटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए वैश्विक समुदाय के लिए नए अवसर प्रदान किये हैं और कई प्लेटफॉर्म और नेटवर्क से साझेदारी बनाने और बिंदुओं को जोड़ने के रास्ते खोले हैं।

बड़ी सामाजिक समस्याओं का सामना करने में बाइरैक बेहद सहायक रहा है। हमारा प्रयास बायोटेक इकोसिस्टम को मजबूत बनाना है और हमारे सामने आविष्कारी इकोसिस्टम को प्रभावी ढंग से पोषित करने के कई अवसर हैं।

मिशन कोविड सुरक्षा

कोविड–19 वैक्सीन उम्मीदवारों के लिए नैदानिक परीक्षण करने की क्षमता बढ़ाना।

निगरानी स्थल का दौरा

भारत में कुछ वैक्सीन उम्मीदवार पहले से ही मानव नैदानिक परीक्षण में हैं और कई आशाजनक उम्मीदवार विकास के विभिन्न चरणों में हैं। इन बहु कोविड–19 वैक्सीन उम्मीदवारों का समयबद्ध विकास सुनिश्चित करने के लिए, यह आवश्यक है कि परीक्षण के लिए वैक्सीन की तैयारी के अनुरूप पर्याप्त परीक्षण क्षमता उपलब्ध हो। अगले वर्ष के दौरान, प्रारंभ से विलंब नैदानिक चरणों में उम्मीदवारों के लिए बड़े पैमाने पर प्रभावकारिता परीक्षण क्षमता की आवश्यकता होगी, जिसके लिए समुदाय और अस्पताल–आधारित साइटों को स्थापित करने की आवश्यकता होगी। कोविड–19 हेतु सुरक्षित, प्रभावोत्पादक और किफायती वैक्सीन के विकास के लिए आत्म निर्भर भारत 3.0 पैकेज के अंतर्गत भारतीय कोविड–19 वैक्सीन विकास मिशन 'मिशन कोविड सुरक्षा' की शुरुआत की गई।

इस मिशन के हिस्से के रूप में, कोविड–19 वैक्सीन परीक्षण की मांग को पूरा करने के लिए मौजूदा परीक्षण क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से, 19 संस्थानों को बाइरैक से सहायता प्राप्त है ताकि वैक्सीन डेवलपरों के लिए उपयुक्त नैदानिक अभ्यास के अनुरूप नैदानिक परीक्षण स्थलों की उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित हो सके। परीक्षण स्थल समुदाय आधारित स्वस्थ आबादी तक पहुंच के माध्यम से प्रारंभिक चरण के नैदानिक परीक्षणों और बड़े पैमाने पर तृतीय चरण के नैदानिक परीक्षणों दोनों को करने के लिए अस्पताल–आधारित स्थलों को सहायता प्रदान करने के लिए होंगे।

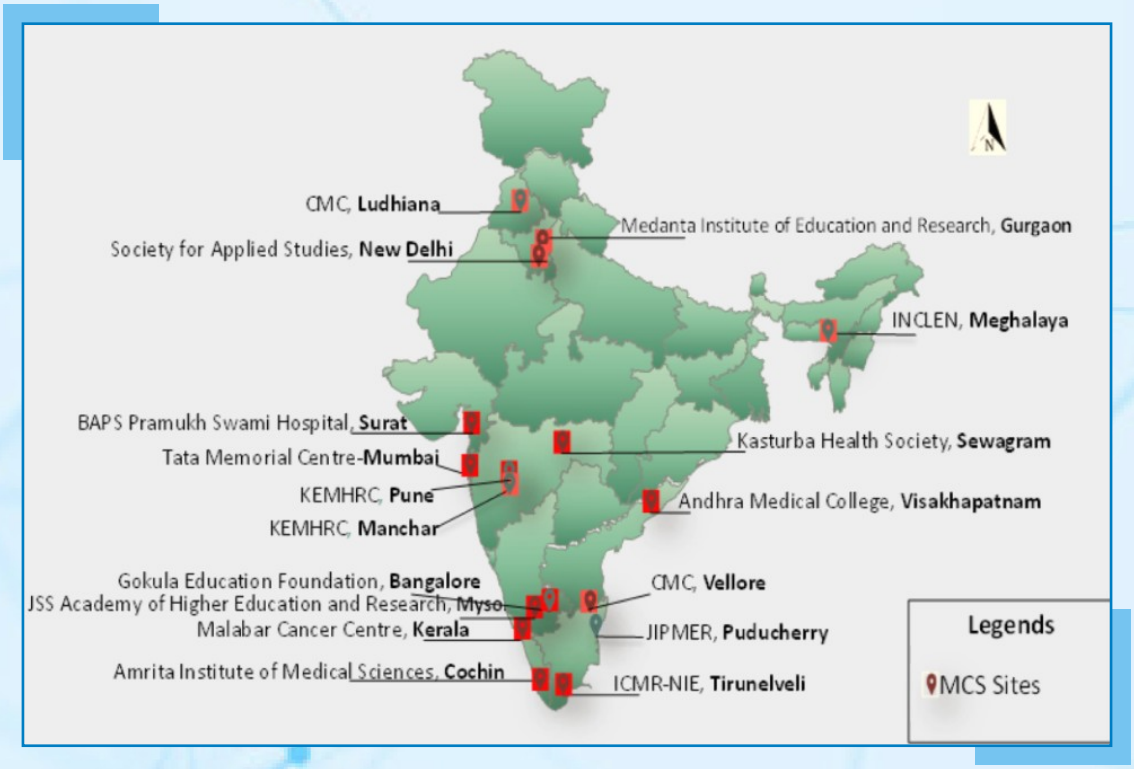

मिशन कार्यान्वयन एकक (एमआईयू) – बारइैक और क्लिनिकल डेवलपमेंट सर्विसेज एजेंसी (सीडीएसए) के संयुक्त प्रयासों से, इन स्थलों की निगरानी (ऑन–साइट और/या दूरस्थ रूप से) की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये स्थल भारतीय जनसंख्या में कोविड–19 वैक्सीन के परीक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हैं। इन गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (जीसीपी) अनुवर्ती स्थलों का 2000 से अधिक इच्छुक स्वस्थ स्वयंसेवकों तक पहुंच है जो वैक्सीन निर्माताओं/प्रायोजकों/सीआरओ द्वारा पेश किए गए परीक्षणों में भाग लेने के इच्छुक हैं।

सीडीएसए ने अगस्त से दिसंबर 2021 तक निम्नलिखित स्थानों पर निगरानी स्थल का दौरा किया;

1. मेदांता अस्पताल (ऑनसाइट) –19 अगस्त, 2021
2. सीएमसी लुधियाना (ऑनसाइट)– 7–8 अक्टूबर, 2021
3. केईएम मंचर एंड पुणे (ऑनसाइट)–11 अक्टूबर 2021
4. सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे (ऑनसाइट)–12 अक्टूबर 2021
5. सेंटर फॉर हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट–सोसाइटी फॉर एप्लाइड स्टडीज, दिल्ली (ऑनसाइट)– 20 अक्टूबर, 2021
6. टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई (दूरदाज)– 13 दिसंबर, 2021

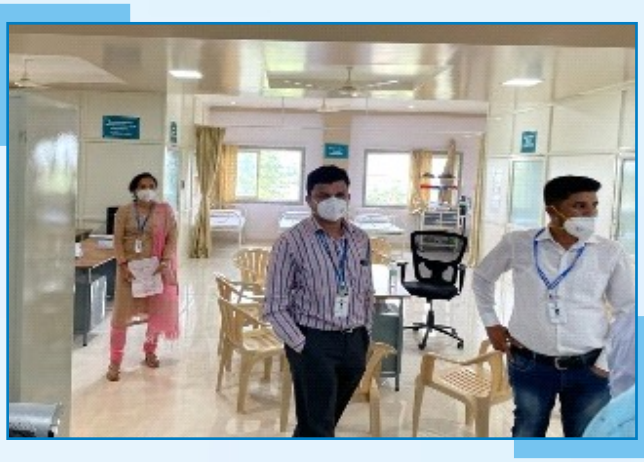

वर्तमान में, भारत में, अधिकांश स्थलों को इस मिशन के तहत नए कोविड टीकों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय चरणों और बूस्टर खुराक परीक्षणों के संचालन के लिए शामिल किया जा रहा है। भविष्य के कार्यक्षेत्र के रूप में, इन स्थलों को निरंतर अधिक प्रासंगिक डेटा एकत्र करने और नए वेरिएंट ओमिक्रोन से सुरक्षा का आकलन करने एवं पुष्टि करने के लिए वास्तविक विश्व की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने और भविष्य के वेरिएंट के लिए सर्वाधिक कारगर मार्ग के बारे में सूचित करने की पेशकश की जा सकती है।

बेंगलुरु टेक शिखर सम्मेलन 2021 (बीटीएस 2021)

ड्राइविंग द नेक्स्ट

बेंगलुरु टेक शिखर सम्मेलन 2021 का 24वां संस्करण जिसका विषय 'ड्राइविंग द नेक्स्ट'' था, 17 से 19 नवंबर, 2021 को आयोजित किया गया। बेंगलुरु देश के परिपक्व बायोटेक समूहों में से एक है। यह बायोटेक, फिनटेक, एडटेक, आईटी आदि जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाला वार्षिक टेक शिखर सम्मेलन है। यह कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया और जिसकी एसटीपीआई द्वारा सह–मेजबानी की गई।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने ऑस्ट्रेलिया के माननीय प्रधान मंत्री – महामहिम श्री स्कॉट मॉरिसन, इजराइल के माननीय प्रधान मंत्री – नफ्ताली बेनेट की उपस्थिति में किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री – बसवराज बोम्मई ने की और कर्नाटक के माननीय राज्यपाल – थावरचंद गहलोत; कर्नाटक के विज्ञान और प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा और आईटी, बीटी, कौशल विकास और उद्यमिता एवं आजीविका मंत्री डॉ. सी. एन. अश्वथ नारायण, माननीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सू.प्रौ. मंत्री – अश्विनी वैष्णव सम्मानित अतिथि थे।

इस आयोजन में बाइरैक ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. रेणु स्वरूप, पूर्व सचिव डीबीटी और अध्यक्ष, बाइरैक ''खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नवीनतम नियामक प्रवृत्तियों की मुख्य विशेषताएं'' पर तीसरे दिन के सत्र के विशिष्ट वक्ता थे। पैनल ने खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और जैव प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के सामने आने वाली नियामक प्रवृत्ति और चुनौतियों पर विचार–विमर्श किया। पैनल ने विशुद्ध दवाइयों, क्वांटम जीव विज्ञान, बायोटेक क्षेत्र में निवेश के लिए संश्लेषित, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, दीर्घ डेटा पर ध्यान देने की आवश्यकता पर विचार–विमर्श किया।

सह–पैनल में मैसाचुसेट्स बोस्टन विश्वविद्यालय (एटीआरईई) के संस्थापक–अध्यक्ष, जीव विज्ञान के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, डॉ. कमलजीत एस. बावा; डॉ. बालसुब्रमण्य एस., वरिष्ठ सलाहकार–जैव प्रौद्योगिकी ''कर्नाटक इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी सोसाइटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी एवं एसएंडटी विभाग, कर्नाटक सरकार–'' सभापति – नारायणन सुरेश, सीओओ, एबीएलई शामिल थे।

''सरकारः उद्यमियों के लिए निधिकरण, अनुदान और योजनाएं'' पर सत्र भी दूसरे दिन आयोजित किया गया। पैनलिस्ट ने स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा की गई कुछ पहलों पर विचार किया। पैनलिस्ट में सुश्री मीना नागराज (कर्नाटक सरकार में निदेशक इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी); सुश्री गुंजन कृष्णा (आयुक्त, उद्योग और वाणिज्य विभाग, कर्नाटक सरकार); श्रुति सिंह, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी शामिल थीं।

दूसरे दिन ''इंडिया इनोवेशन एलायंस'' पर आयोजित सत्र के दौरान बाइरैक के बायोनेस्ट इनक्यूबेटर सीसीएएमपी, साइन, वेंचर सेंटर, आईआईटी कानपुर, केआईआईटी–टीबीआई, और आइडियास्प्रिंग कैपिटल, आइडियास्प्रिंग कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर और संस्थापक नागानंद दोरास्वामी ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में 30 से अधिक देशों की भागीदारी देखी गई, जिसमें आईटी, बीटी, जीआईए और स्टार्ट–अप पर 4 समानांतर सम्मेलन ट्रैकों में लगभग 300 वक्ताओं और 20000 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया। बीटीएस 2021 में 146 से अधिक स्टार्ट–अप ने आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईओटी, हेल्थकेयर, मेडटेक, एग्रीटेक, फिनटेक, एडटेक और गतिशीलता वाले क्षेत्रों में नवाचार का प्रदर्शन किया।

बाइरैक ने अपने प्रदर्शनी बूथ में भी रुचि दिखाई, जिसमें बाइरैक की योजनाओं और कार्यक्रमों, समर्थित प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और भागीदारों को प्रदर्शित किया गया।

फर्स्ट हब – सुविधा और प्रभाव के तीन वर्ष

नीति आयोग की सिफारिशों के अनुसार अगस्त, 2018 में स्थापित फर्स्ट हब ने सफलतापूर्वक अपने संचालन के तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं। फर्स्ट हब सीडीएससीओ, एनआईबी, आईसीएमआर, बीआईएस, केआईएचटी, जीईएम, डीबीटी और बाइरैक के सरकारी प्रतिनिधियों के साथ वार्ता करने के लिए स्टार्ट–अप, उद्यमियों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, इनक्यूबेशन केंद्रों, एसएमई आदि के लिए एक मंच है।

डॉ. स्वरूप, सचिव–डीबीटी और अध्यक्ष, बाइरैक ने भाग लेने वाले संगठनों के सदस्यों को सफलता के लिए बधाई दी और कार्यक्रम को अन्य संगठनों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर फर्स्ट हब के विशेष फ्लायर और वीडियो का अनावरण किया गया। विश्लेषण के अनुसार, प्रचालन कार्यों के तीन वर्ष की अवधि के दौरान नवोन्मेषकों के कोविड–19 से संबंधित प्रश्नों का समाधान करने के लिए कई विशेष सत्रों के आयोजन के साथ–साथ 700 से अधिक प्रश्नों का समाधान किया गया। इसके अलावा, बाइरैक के जीबीआई कार्यक्रम के दौरान फर्स्ट हब सत्र का भी आयोजन किया गया। परीक्षण और मानकीकरण के बाद मुख्य प्रश्न नियामक सुविधा और निवेश से संबंधित थे।

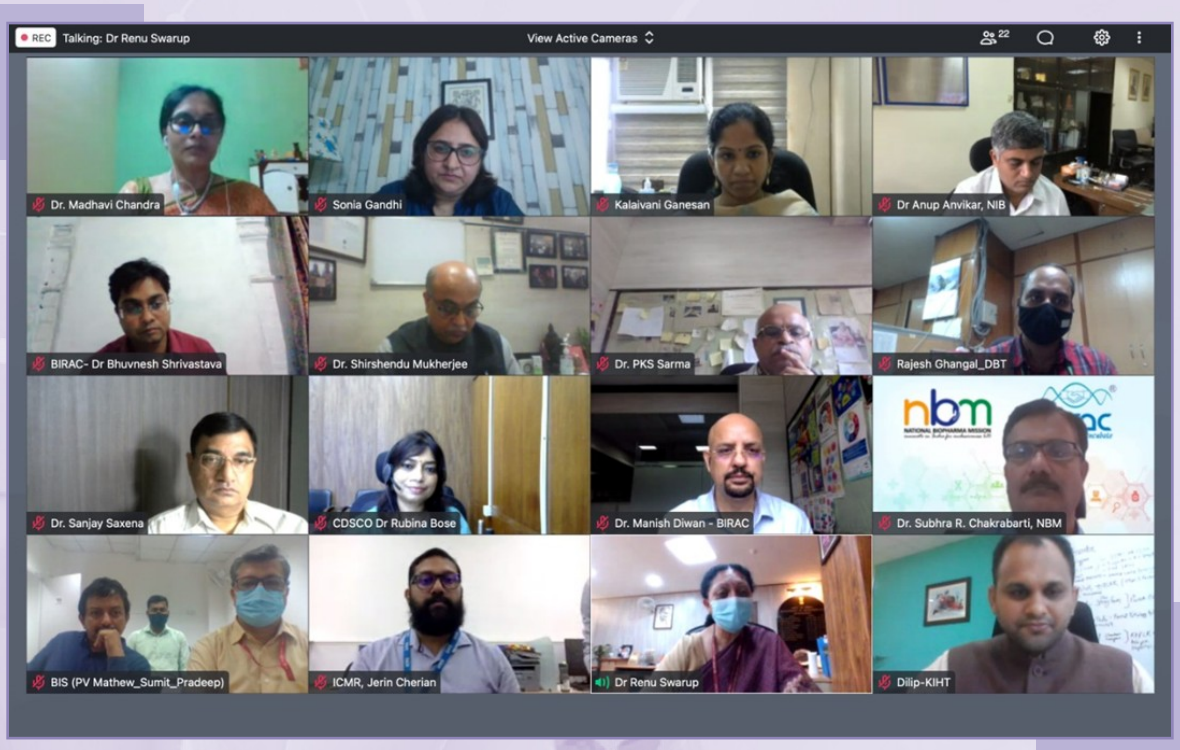

एसआरआईएचईआर में बायोनेस्ट हेल्थ केयर इनोवेशन इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

चेन्नई, 12 अक्टूबर, 2021

डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और अध्यक्ष, बाइरैक द्वारा 12 अक्टूबर, 2021 को श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च में एक हेल्थकेयर इनोवेशन इनक्यूबेशन सेंटर (श्री रामचंद्र इनोवेशन इनक्यूबेशन सेंटर बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर) का उद्घाटन किया गया। वर्चुअल तौर पर भाग लेते हुए, उन्होंने कहा कि यह सेंटर चिकित्सा विश्वविद्यालय में स्थित है और यह रोगियों के लिए नवोन्मेषी विचारों को उपयोगी उत्पादों और सेवाओं में अंतरित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा उद्योग के समूचे क्षेत्र में मदद करेगा। उचित नैदानिक सत्यापन के साथ नवाचार में अंतिम उपयोगकर्ता जुड़ाव महत्वपूर्ण है। इस सेंटर को इनक्यूबेटिज को नियामक तरीके से परिभाषित और मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेंटर को सत्यापन के शुरुआती चरण में दूसरों की भी मदद करनी चाहिए और अपने उत्पादों को व्यावसायिक उपयोग के लिए प्रस्तुत करने में मदद करनी चाहिए।

बाइरैक के प्रमुख, कार्यनीतिक साझेदारी एवं उद्यमिता विकास, डॉ. मनीष दीवान ने कहा कि यह सेंटर चिकित्सकों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पहचान करेगा और उद्यमियों को नवोन्मेषी समाधान प्रस्तुत करने के लिए शामिल करेगा। उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक भी एक उद्यमी हो सकता है और देश में संचालित 60 से अधिक बायोनेस्ट इन्क्यूबेटरों में चिकित्सकों और शल्य–चिकित्सकों द्वारा नवप्रवर्तित कई उत्पादों को सूचीबद्ध किया है।

इस अवसर पर बोलते हुए, कुलपति डॉ. पी.वी. विजयराघवन ने कहा कि एसआरआईएचईआर ने अनुमोदित और मान्यता प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाली अनुसंधान प्रयोगशालाओं, परीक्षण सुविधाओं, संस्थागत नैतिकता समिति के साथ पूर्ण नैदानिक परीक्षण प्रभाग और 2200 बिस्तर वाले तृतीयक अस्पताल और 12 संघटक संकाय, शोध विद्वानों के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया है जो इनक्यूबेट करने वाले उद्यमियों के लिए सुलभ होंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों और पैरा मेडिकल को भी अपने नैदानिक अनुसंधान को पेटेंट उत्पादों में अंतरित के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

डॉ. कल्पना बालकृष्णन, डीन अनुसंधान ने कहा, श्री रामचंद्र इनोवेशन इनक्यूबेशन सेंटर (एसआरआईआईसी) बाइरैक के बायोनेस्ट कार्यक्रम के अंतर्गत समर्थित है। केंद्रित क्षेत्रों में चिकित्सा उपकरणों का नैदानिक सत्यापन, प्वाइंट ऑफ केयर निदान किट, नैनो प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य देखभाल में मशीनी शिक्षा आधारित उपकरण शामिल हैं। यह तमिलनाडु में अपनी तरह का पहला केंद्र है, जो कई अनुसंधान सुविधाओं, उच्च जैव–विश्लेषणात्मक क्षमताओं के साथ परिष्कृत उपकरण सुविधाओं और एसआरआईएचईआर की जीएलपी मान्यता प्राप्त लघु पशु परीक्षण सुविधा से युक्त है। उन्होंने कहा कि यहां अंतिम उपयोगकर्ता सत्यापन के लिए, सीडीएससीओ–अनुमोदित डीसीजीआई–लेखापरीक्षित पूर्ण नैदानिक परीक्षण प्रभाग भी उपलब्ध है।

डॉ. एस.पी. त्यागराजन जिन्होंने इस केंद्र की स्थापना की शुरुआत की और जो वर्तमान में अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, कोयंबटूर के कुलाधिपति हैं; हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर, आईआईटी–चेन्नई के सीईओ डॉ. मुथु सिंगाराम और एसआरआईआईसी के सीईओ डॉ हरदीप वोरा कार्यक्रम में शामिल हुये।

एनईएचयू, तुरा कैंपस, मेघालय में बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर सेंटर का उद्घाटन

गारो हिल्स, मेघालय का पहला बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर सेंटर बाइरैक, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है, जिसका उद्घाटन 6 अक्टूबर, 2021 को नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), तुरा कैंपस में प्रो. प्रभा शंकर शुक्ला, कुलपति, एनईएचयू की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर डॉ. जी. नरहरि शास्त्री, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी, जोरहाट, असम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुये, जबकि डॉ. मृत्युंजय सुआर, महानिदेशक आरएंडडी और सीईओ, केआईआईटी, भुवनेश्वर, ओडिशा ने

सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ नम्रता मिश्रा, प्रमुख, जैव नवाचार, केआईआईटी–टीबीआई, भुवनेश्वर, ओडिशा और श्री राम सिंह, आईएएस, उपायुक्त, पश्चिम गारो हिल्स जिला, मेघालय कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर सेंटर के प्रोजेक्ट लीडर डॉ. बीके मिश्रा ने एनईआर के प्राकृतिक स्वदेशी संसाधनों का उपयोग करते हुए कृषि, खाद्य और पोषण के क्षेत्र में नवाचारों का समर्थन करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र के फोकस पर बल दिया। डॉ. जी. नरहरि शास्त्री ने एनईआर में जैव–उद्यमिता की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। डॉ. शास्त्री ने एक स्थायी स्टार्टअप निर्माण रणनीति के रूप में वैश्विक प्रौद्योगिकी के स्थानीय ज्ञान और स्थानीयकरण के वैश्वीकरण पर जोर दिया। डॉ. शास्त्री ने बायोइनक्यूबेटर की सफलता के लिए राज्य सरकार और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। डॉ. मृत्युंजय सुआर ने बायोटेक क्षेत्र में इन्क्यूबेटरों की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से समझाया और नवोन्मेषकों की मदद करने के लिए सार्थक तरीके से बायोइनक्यूबेटर स्थापित करने के अपने अनुभव को साझा किया। डॉ. सुआर ने उद्यमिता विकास के लिए धन की उपलब्धता पर विश्वास जताया, बल्कि स्टार्टअप्स के लिए एक नया, समृद्ध, आसानी से सुलभ पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर भी बल दिया और सभा से विकास प्रक्रिया में योगदान करने की अपील की। डॉ. नम्रता मिश्रा ने विचार से लेकर व्यावसायीकरण तक उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों के दौरान स्टार्टअप्स के लिए वित्तपोषण के अवसरों के बारे में लोगों को अवगत कराया। श्री राम सिंह ने केंद्र को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया और गारो पहाड़ियों में काम करने के अपने बहुमूल्य अनुभव को साझा किया। प्रो. पी.एस. शुक्ला ने केंद्र को विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी के भाग के रूप में देखा और नवाचारों एवं केंद्र द्वारा सृजित किये जा सकने वाले रोजगार के अवसरों को समर्थन देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. जी. सिंगैया ने केंद्र को समय की आवश्यकता बताया और समाज की बेहतरी के लिए केंद्र को पूरे हृदय से सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षाविद, वैज्ञानिक, सरकारी अधिकारी और अन्वेषक मौजूद थे जिनमें डॉन बॉस्को कॉलेज, तुरा गवर्नमेंट कॉलेज, सामुदायिक विज्ञान कॉलेज और एनईएचयू के संकाय; केवीके विलियमनगर और केवीके तुरा के वैज्ञानिक; जिला वाणिज्य और उद्योग केंद्र, स्किल इंडिया मिशन, बकदिल एनजीओ के प्रतिनिधिगण और अन्य लोग शामिल थे। ग्रामीण विकास और कृषि उत्पादन विभाग (आरडीएपी) के प्रमुख प्रो. डी.सी. कलिता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करके कार्यक्रम को विनम्रतापूर्वक अभिव्यक्त किया और अंत में राष्ट्रगान के माध्यम से कार्यक्रम का समापन किया। भावी उद्यमियों को उच्च प्रेरणा और प्रोत्साहन के साथ समारोह का समापन हुआ।

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2021 (आईआईएसएफ 2021)

आईआईएसएफ 2021 का 7वां संस्करण पणजी, गोवा में 10 से 13 दिसंबर, 2021 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती (विभा) के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस वर्ष के संस्करण का विषय ''विज्ञान में रचनात्मकता का उत्सव'' था।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु अनुसंधान व अंतरिक्ष राज्य मंत्री द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय आयुष, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री – श्री सर्बानंद सोनोवाल; माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (एमओएस) पर्यटन एवं बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय – श्री श्रीपद नाइक; गोवा के माननीय मुख्यमंत्री – श्री प्रमोद सावंत; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव, डॉ. एम. रविचंद्रन, विज्ञान भारती के अध्यक्ष डॉ. विजय भाटकर एवं कई अन्य लोगों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की।

यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का महोत्सव था जिसमें हमारे समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुये और इसमें यह दर्शाया गया कि कैसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) हमारे जीवन को बेहतर बनाने के लिए समाधान उपलब्ध करा रहे हैं। सम्मेलन में ईसीओ उत्सव, जीआईएसटी उत्सव, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी उत्सव, मेगा साइंस टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्री एक्सपो, साइंस फिल्म फेस्टिवल, साइंस लिटरेचर फेस्टिवल, स्टूडेंट्स साइंस विलेज, इंजीनियरिंग स्टूडेंट फेस्टिवल और कई अन्य कार्यक्रमों की मेजबानी की गई।

आईआईएसएफ 2021 में मेगा साइंस टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्री एक्सपो के बाइरैक स्टाल में डॉ. अलका शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार डीबीटी और एमडी–बाइरैक के साथ बाइरैक के प्रतिनिधि

इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत रूप से और 20,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया। इसके अलावा, इस कार्यक्रम के मेगा एक्सपो में 300 मॉडल का प्रदर्शन, 200 पारंपरिक शिल्प कारीगरों की भागीदारी और 174 स्टाल देखे गये।

इस उत्सव में, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ''न्यू ऐज टेक्नोलॉजी शो'' नाम से प्रदर्शन प्रतियोगिता का समन्वय किया। यह शो इवेंट के तीसरे दिन था और यह जीवन विज्ञान के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में नवाचार प्रदर्शन पर केंद्रित था। शैक्षिक जगत के प्रतिभागियों और युवा स्टार्ट–अप ने जीवन विज्ञान क्षेत्र में अपनी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत किया। जूरी ने पुरस्कारों के लिए तीन सर्वश्रेष्ठ नवोन्मेषकों को चुना।

युवा छात्र, उद्यमी समुदाय के स्टार्टअप बाइरैक की विभिन्न वित्तपोषण योजनाओं के बारे में जिज्ञासु थे।

आईआईएसएफ 2021 में मेगा साइंस टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्री एक्सपो ने प्रदर्शकों और स्टार्ट–अप को अपनी शक्ति, नवाचारों, उत्पादों और सेवाओं को अधिक से अधिक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। बाइरैक की टीम में सुश्री तरनजीत कौर, सुश्री पूनम बिश्नानी, डॉ. विश्वदीप कापरे, डॉ. योगेश अष्टकर शामिल थे, जिन्होंने बारइैक की योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए एक्सपो में भाग लिया।

आईआईएसएफ जैसे सार्वजनिक कार्यक्रम जनता के बीच वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट–अप इंडिया, स्मार्ट सिटी और जीवनयापन में सुगमता जैसे महत्वाकांक्षी प्रयास वास्तव में तभी साकार हो सकते हैं जब विज्ञान की पहुंच प्रत्येक व्यक्ति तक हो।

Crescent Innovation Incubation Council
(A Section 8 Company Under Companies Act 2013)

इनक्यूबेटर का नामः क्रिसेंट इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन काउंसिल (सीआईआईसी)

इनक्यूबेटर के बारे में: क्रिसेंट इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन काउंसिल (सीआईआईसी), धारा–8 के अंतर्गत गैर–लाभप्रद कंपनी के रूप में स्थापित कंपनी, बाइरैक–बायोनेस्ट, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा वित्तपोषित बी.एस. अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (बीएसएसीआईएसटी), चेन्नई की इनोवेशन शाखा है और जिसे बायोस्पेक्ट्रम पत्रिका ने वर्ष 2020 के भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ बायो–इनक्यूबेटर के रूप में स्थान दिया है। सीआईआईसी स्टार्टअप इंडिया, सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) के तहत 5.25 करोड़ रुपये की लागत से स्टार्टअप इंडिया, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी वित्त पोषित है।

सीआईआईसी ने वर्तमान में 76 लाइफ साइंस स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया है जो एग्री–टेक, मेड–टेक, बायो–फार्मा, जैव ऊर्जा, बायो–सर्विसेज, जैव उद्योग जैसे 6 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है और स्टार्टअप्स के लिए "वन स्टॉप शॉप – टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई)" के रूप में कार्य कर रहा है। जीवन विज्ञान के अलावा, सीआईआईसी उद्योग 4.0 और गतिशीलता एवं परिवहन जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। सीआईआईसी का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर अंतः विषयक उन्नति को प्रोत्साहित करते हुए, उच्च उत्पादक प्रभाव के साथ नवाचार को उन्नत बिजनेस मॉडल में परिवर्तित करके त्रिपक्षीय 'एम'– बाज़ार, धन और प्रतिपालक नामक मिशन कथन के माध्यम से स्टार्ट–अप को लाभप्रद कंपनी बनाने के लिए समर्थन प्रदान करना है। सीआईआईसी को यूरोपीय आयोग से सहयोगी परियोजनाओं और स्टार्टअप्स की सॉफ्ट लैंडिंग के लिए मान्यता प्राप्त है।

ध्यान केंद्रित बायोनेस्ट क्षेत्रः

सृजित बायोनेस्ट प्रभावः

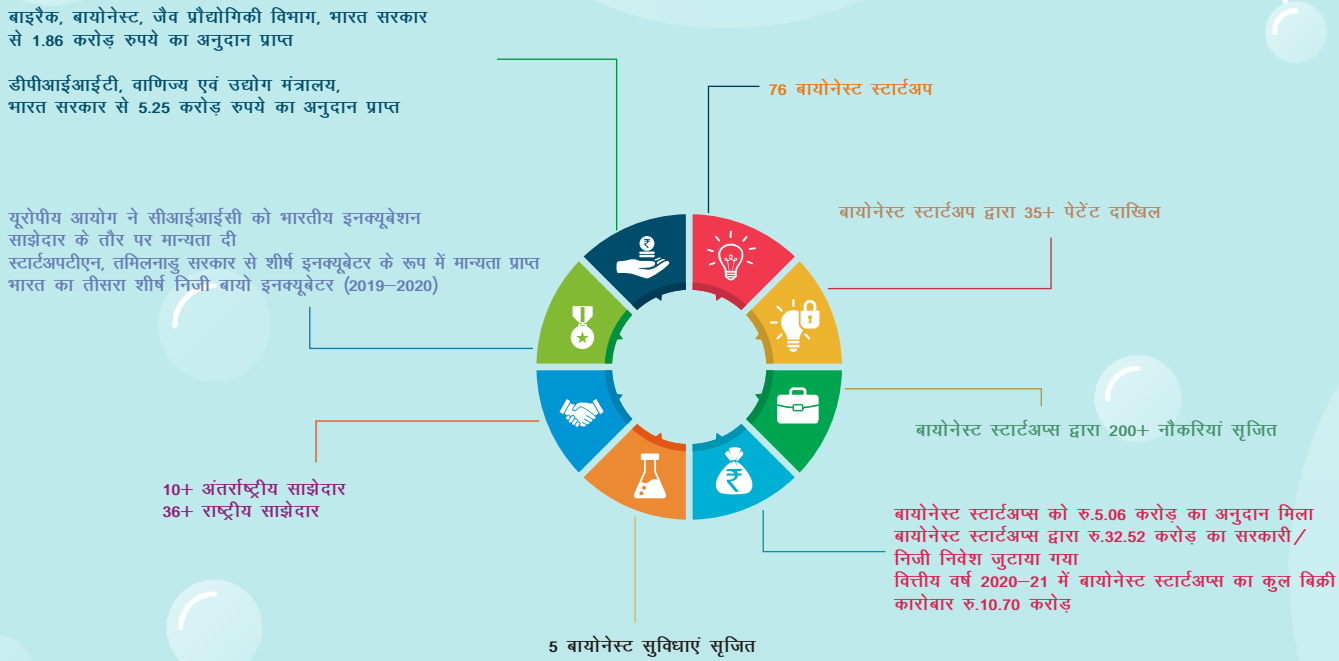

- **स्थान**– वंडालूर, चेन्नई
- **कुल स्थान (इनक्यूबेशन, प्रयोगशाला स्थल, सामान्य क्षेत्र आदि)**

इनक्यूबेशन स्थल/सामान्य क्षेत्र	5000 वर्ग फुट
प्रयोगशाला स्थल	4000 वर्ग फुट

सीआईआईसी ने स्टार्टअप्स को प्रदर्शन क्षेत्र स्थल सुलभ कराया।

- **अब तक समर्थित इनक्यूबेटियों की संख्या**– 76
- **व्यावसायीकृत कुल उत्पाद/प्रौद्योगिकियां** –

  क. व्यावसायीकृत उत्पादों की संख्या = 9+

  ख. स्टार्ट–अप द्वारा प्रदत्त आईपी समर्थित सेवाओं की संख्या = 3+

- **कुल आईपी सुविधा** – 35
- **किराया** – सह कार्य क्षेत्र सुविधा – 3500 रु. प्रति माह

  मोड्यूल सुविधा (180 वर्ग फुट) – 7500 रु. प्रति माह

सामान्य ढांचागत सेवाएंः

सीआईआईसी ने बाइरैक–बायोनेस्ट सुविधा के तहत 6 सुविधाएं सृजित की हैं।

➢ **जीवन विज्ञान की सुविधा** – स्टार्टअप्स के लिए अत्यधिक सुसज्जित प्रयोगशालाएं बनाई गई जिसमें आण्विक जीव विज्ञान प्रयोगशाला, विश्लेषिक प्रयोगशाला, विसंक्रमण कक्ष, माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला, पौधा ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला शामिल हैं।

➢ **सटीक कृषि और ग्रामीण प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान की सुविधा** – सेंसर के माध्यम से स्वचालित सिंचाई प्रणाली में शामिल स्वायत्त खेती का सृजन किया गया।

➢ **माइक्रोएल्गल और नैनो बायोटेक्नोलॉजी की सुविधा** – स्टार्टअप्स के लिए एल्गल आधारित उत्पादों के विकास के लिए संवर्धित प्रावधान।

➢ **ओमिक्स विश्लेषण की सुविधा** – जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिपटॉमिक्स, प्रोटिओमिक्स, मेटाबोलॉमिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए आंकड़ा निर्वचन के अवसर सृजित किए।

➢ **मूल कोशिका अनुसंधान की सुविधा** – सभी प्रकार के चिकित्सकीय उपचार के लिए कैंसर अध्ययन हेतु प्रावधान सृजित किया गया।

➢ **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा** – स्टार्टअप और उससे अधिक के लिए आईपीआर सेवाएं को कार्यान्वित करने के लिए सीसीएएमपी के साथ सहयोग किया।

वैज्ञानिक सहायता सेवाएं:

1. आंतरिक और बाहरी प्रतिपालकों से जुड़कर स्टार्टअप्स के लिए **तकनीकी सहायता**
2. **प्रोटोटाइप सत्यापन** और **नैदानिक परीक्षणों** के लिए सम्बद्धता
3. अनुसंधान कार्यों को करने के लिए स्टार्टअप के लिए **उपकरण सहायता**
4. स्टार्टअप्स के लिए **संस्थानिक परीक्षण सेवाएं**
5. स्टार्टअप्स के लिए **जागरूकता अभियान**
6. स्टार्टअप्स के लिए **आईपीआर** (बौद्धिक संपदा अधिकार) और **टीटी** (प्रौद्योगिकी हस्तांतरण) सुविधा सेवाएं
7. स्टार्टअप के लिए **लॉन्च पैड सुविधा निर्माण** (25000 वर्ग फीट)
8. **मान्यता / प्रमाणपत्र** प्रापण सहायता

सलाहकार और प्रतिपालक सेवाएं:

- **संरक्षण** प्रदान करना – आईपी, नियामक व्यवसाय
- **चिकित्सकीय संरक्षण** और सहायता प्रदान करना – टैगोर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, डॉ मेहता, चेट्टीनाड हेल्थ सिटी
- **संस्थागत सहायता** सेवाएं – सीएसएमसीआरआई (केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान), तनुवास (तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय)

टैगोर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस
प्रोटोटाइप विकास और नैदानिक सत्यापन एवं नैतिक स्वीकृति के लिए सहायता

डॉ. मेहता अस्पताल
उत्पाद सत्यापन और निवेश के लिए सहायता

चेट्टीनाड अस्पताल
नैदानिक सत्यापन और संरक्षण के लिए सहायता

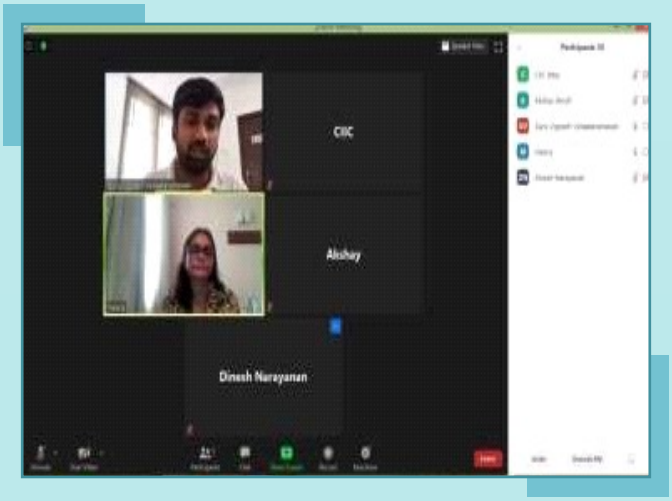

समस्त स्टार्टअप के लिए **व्यापार, निवेश** और
तकनीकी प्रतिपालक

जानकारी सेवाएँ:

- सीआईआईसी ने **डेटा इंटरप्रिटेशन, क्वांटम केमिस्ट्री, स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, प्रेसिजन मेडिसिन, मॉलिक्यूलर सिमुलेशन** के लिए उच्च दक्षता वाले सॉफ्टवेयर के साथ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी के लिए उच्च विनिर्देशों के साथ कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला के साथ **''ओमिक्स विश्लेषिकी''** सुविधा का निर्माण किया है।

  वर्तमान सॉफ्टवेयर उपलब्ध – मैट लैब, मिनी टैब, ओरिजिन, केमड्रा

- स्टार्टअप के पास स्टार्टअप अनुसंधान को सहायता करने के लिए **यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी** तक पहुंच है।

सुविधाओं का चित्र संग्रहः

आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला

विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला

माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला

पादप ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला

स्टेरिलाइजेशन कक्ष

सूक्ष्म शैवाल निक्षेपागार प्रयोगशाला

डीप फ्रीजर कक्ष

पायलट अध्ययन क्षेत्र

ओमिक्स विश्लेषिकी

स्वच्छ कक्ष सुविधा (कक्षा 10000)

स्टार इनक्यूबेटीज

लोगो	स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी/उत्पाद के बारे में विवरण
SHRIMP HOARD TECHNOLOGIES Redefining Aquaculture	**संस्थापक** – श्री सुशील कुमार पॉल, बाह्य स्टार्टअप **विवरण** – मृत्यु दर को कम करके और गुणवत्ता वाले झींगों को उत्पन्न करके निगरानी मानकों और अनुकूलन के माध्यम से जलीय कृषि को टिकाऊ बनाना। **चरण** – उत्पाद विकास **आईपी** – अनुदत्त **प्राप्त अनुदान** – 50 लाख रु. (बिग, बाइरैक)
iGN Biotech Pvt Ltd	**संस्थापक** – डॉ. नित्याकल्याणी, बाह्य स्टार्टअप **विवरण** – आनुवंशिकी और कोशिका चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य को फिर से परिभाषित करना। **चरण** – विचार **प्राप्त अनुदान** – 25 लाख रु. (बिग, बाइरैक), 120 लाख रु. (आईसीएमआर)
impensus Electronics	**संस्थापक** – श्री गुरु विग्नेश और श्री दिनेश नारायणन, बाह्य स्टार्टअप **विवरण** – फसलोपरांत प्रबंधन और संरक्षित पर्यावरण कृषि तकनीकों के लिए प्रौद्योगिकी संचालित उत्पाद **चरण** – व्यावसायीकरण **जुटाया गया निवेश** – 0.71 करोड़ रु.
TRADENT	**संस्थापक** – श्री आदित्य, विद्यार्थी स्टार्टअप **विवरण** – मानव/किसानों की अनुपस्थिति में खेती के लिए स्वचालित इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर **चरण** – उत्पाद विकास **आईपी** – 3 प्रकाशित
REKINDLE	**संस्थापक** – श्री राधाकृष्णन, पूर्व छात्र स्टार्टअप **विवरण** – स्मार्ट अंतःशिरा ड्रिप का विकास **चरण** – उत्पाद विकास **आईपी** – अनुदत्त
WEGOT UTILITY SOLUTIONS	**संस्थापक** – श्री मोहिदीन, पूर्व छात्र स्टार्टअप **विवरण** – पानी की खपत को कम करने के लिए जल प्रबंधन समाधान **चरण** – व्यावसायीकरण **आईपी** – 2 प्रकाशित **जुटाया गया निवेश** – 22 करोड़ रु.

वेंचर स्टूडियो
अहमदाबाद विश्वविद्यालय

इनक्यूबेटर के संदर्भ में: नवाचार और उद्यमिता के अवलोकन के साथ, अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने वेंचर स्टूडियो की संकल्पना की है, जो उद्यमियों को अपने नवाचार को व्यावसायिक सफलता में अंतरित करने में सक्षम बनाने के लिए एक मंच है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के सहयोग से वर्ष 2011 में स्थापित, यह मंच कई अनुदानों के माध्यम से प्री–सीड फंडिंग से लेकर, क्षेत्र विशेषज्ञों के नेटवर्क के माध्यम से व्यक्तिगत संरक्षण, उत्पाद विकास के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं तक पहुंच, बाजार पहुंच और फॉलो–ऑन एंजेल और वेंचर कैपिटल वित्तपोषण में मदद के साथ 360 प्रतिशत समर्थन प्रदान करके नवोन्मेषी उद्यमियों की सहायता करता है।

वेंचरस्टूडियो जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित है। इसमें बाइरैक द्वारा समर्थित जैव प्रौद्योगिकी के लिए अत्याधुनिक बायोनेस्ट इनक्यूबेटर और डीएसटी द्वारा वित्त पोषित एक आधुनिक प्रोटोटाइप लैब है। बाइरैक बिग एसोसिएट साझेदार के रूप में, वेंचरस्टूडियो ने जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में कई स्टार्टअप्स की मदद की है। वेंचरस्टूडियो गुजरात सरकार की स्टार्टअप नीति के तहत एक अनुमोदित नोडल एजेंसी भी है।

भारत में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित और मदद करने में इसके योगदान के लिए, राष्ट्रीय उद्यमिता तंत्र (एनईएन) ने अहमदाबाद विश्वविद्यालय को ''डेब्युटेंट इंस्टीट्यूशन अवार्ड'' और ''हाई इम्पैक्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड'' से सम्मानित किया है।

- **स्थान** – अहमदाबाद विश्वविद्यालय, नवरंगपुरा, अहमदाबाद– 380009
- **कुल स्थान (इनक्यूबेशन, प्रयोगशाला जगह, सार्वजनिक क्षेत्र आदि)** – 21,500 वर्ग फुट, जिसमें बायोनेस्ट सुविधा हेतु 6700 वर्ग फुट और निधि प्रयास शाला सुविधा हेतु 3300 वर्ग फुट क्षेत्र शामिल है।
- **अब तक समर्थित इनक्यूबेटियों की संख्या** – 65+
- **कुल व्यावसायीकृत उत्पाद / प्रौद्योगिकियां**–

  क. व्यावसायीकृत उत्पादों की संख्या = 40

  ख. स्टार्ट–अप द्वारा प्रदत्त आईपी समर्थित सेवाओं की संख्या = 12

- **कुल आईपी सुविधा** – 17
- **किराया** – 2000 रुपये प्रति सीट प्रति व्यक्ति, वाईफाई, स्कैनर और प्रिंटर तक पहुंच, एसी, पार्किंग, सम्मेलन, सुरक्षा, प्रतिपालक तक पहुंच, फैबलैब, बायोलैब आदि जैसी सुविधाओं के साथ।

प्रदत्त सुविधाएं और अनूठी विशेषताएं–

सामान्य ढांचागत सेवाएं	वेंचर स्टूडियो 11,500 वर्ग फुट का इनक्यूबेशन स्थल उपलब्ध कराता है जिसमें 80+ सीटर क्षमता के साथ 24x7 सह–कार्यस्थल, बैठक कक्ष, सम्मेलन कक्ष शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, डीएसटी निधि प्रयास शाला प्रोटोटाइप लैब में 20+ सीटर क्षमता, एडिटिव रैपिड प्रोटोटाइपिंग, सबट्रैक्टिव मैन्युफैक्चरिंग और ऑप्टो–इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्शन उपलब्ध होते हैं, और बाइरैक बायोनेस्ट सुविधा के तहत डाइग्नोस्टिक किट, चिकित्सीय और जीवविज्ञान सहित जैव–उत्पादों के अनुसंधान और विकास के लिए उच्च–स्तरीय इंस्ट्रूमेंटेशन और कार्यक्षेत्र उपलब्ध होते हैं।
वैज्ञानिक सहायता सेवाएं	1) **बाइरैक बायोनेस्ट सुविधा** – 20+ सीटर क्षमता वाली साझा प्रयोगशाला, भंडारण, धुलाई क्षेत्र और बुनियादी उपकरण के साथ समर्पित कार्यक्षेत्र। – बायोकैमिस्ट्री वेट लैब – माइक्रोबायोलॉजी लैब – बंध्याकरण कक्ष – इंस्ट्रुमेंटेशन लैब – अर्ध–प्रारंभिक एचपीएलसी, एफपीएलसी और जीसी–एफआईडी के साथ क्रोमैटोग्राफी प्रयोगशाला – पृथक एएचयू, जैव सुरक्षा कैबिनेट और इमेजिंग उपकरण के साथ ऊतक संवर्धन क्षेत्र – लियोफिलाइजर, इलेक्ट्रोपोरेटर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस और प्रलेखन यूनिट, धूआं हुड, सोनिकेटर, तथा कई और उच्च क्षमता के उपकरण – सहयोगात्मक कार्यक्षेत्र और बैठक कक्ष – पूरी सुविधा के साथ आउटलेट के साथ केंद्रीकृत एयर/गैस पाइपिंग – विआयनीकृत पानी के लिए अल्ट्राप्योर जल प्रणाली 2) **डीएसटी प्रयास शाला सुविधा** – 20+ सीटर क्षमता वाली प्रोटोटाइपिंग प्रयोगशाला – सॉलिडवर्क्स – 2019, ऑटोकैड – 2017 और फ्यूजन 360 सॉफ्टवेयर के साथ डिजाइन सेल। – अल्टिमेकर 3 और इंजीनियरिंग तकनीक एफडीएम 3डी प्रिंटर के साथ एडिटिव रैपिड प्रोटोटाइप सेक्शन जिसका निर्मित क्षेत्र 200 x 200 x 200 मिमी हो। – हास वीएफ2 वर्टिकल मशीनिंग सीएनसी मशीन, ईडीएम और सरफेस ग्राइंडिंग मशीन और आर्क और गैस वेल्डिंग उपकरणों के साथ फैब्रिकेशन सेट अप वाला सबट्रैक्टिव मैन्युफैक्चरिंग सेक्शन – धातु परीक्षण उपकरण जैसे इनवर्टिड धातुकर्म माइक्रोस्कोप और अल्ट्रासोनिक फ्लो डिटेक्टर – पीसीबी प्रोटोटाइपिंग मशीन, सोल्डरिंग डिसोल्डरिंग स्टेशन, एसएमडी रीवर्क स्टेशन, ऑसिलोस्कोप, आर्बिटरी फंक्शन जेनरेटर, डीओबीओटी रोबोटिक आर्म्स, डीस्पेस – कंट्रोल सिस्टम डिजाइन किट, एनवीडिया जेटसन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी विकास हेतु इंफोर्स डेवलपमेंट किट के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्शन।
परामर्शी एवं संरक्षण सेवाएं	• उद्योगपतियों, प्रौद्योगिकीविदों, शिक्षाविदों, उद्यमियों, डॉक्टरों, कार्यात्मक विशेषज्ञों, सेवा प्रदाताओं और कई राष्ट्रीय व्यापार, वाणिज्य, औद्योगिक और व्यावसायिक संगठनों के सदस्यों को समाविष्ट किये हुए क्षेत्र विशेषज्ञों के पूल तक पहुंच। • बाजार अनुसंधान और विश्लेषण, बौद्धिक संपदा, अपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मूल्य प्रस्ताव विकसित करना, उत्पाद डिजाइन और विकास, रणनीति और व्यवसाय मॉडल, गो–टू–मार्केट कार्यनीति और उन्नयन कार्यनीति, संगठन निर्माण, वित्तीय योजना और विधि में सहायता। • स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा उपकरण, एफएमसीजी, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा, संभार तंत्र, शिक्षा, फिनटेक, विनिर्माण जैसे कई कार्यक्षेत्रों और एआई/एमएल जैसे अन्य गहन तकनीकी क्षेत्रों के उद्योग विशेषज्ञों तक पहुंच।
सेवाएं (पुस्तकालय, डेटाबेस पहुंच)	• पेटेंट दाखिल करने में सहायता • अनुरोध पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय तक पहुंच • अनुरोध पर विश्वविद्यालय संकाय और प्रयोगशालाओं तक पहुंच

दल के बारे में: वेंचरस्टूडियो दल का नेतृत्व इसके सीईओ तन्वी रंगवाला करते हैं, जो एक भावुक पेशेवर हैं, जिन्हें प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और निवेश और उद्यमिता में 15 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने सिस्को में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में सिलिकॉन वैली में अपना कॅरियर शुरू किया। इसके बाद, उन्होंने अहमदाबाद में जीवीएफएल लिमिटेड और आईआईएम–ए में सीआईआईई इनक्यूबेशन सेंटर के साथ भी काम किया। सीआईआईई में, तन्वी ने प्रशिक्षण, निवेश और नेटवर्किंग के माध्यम से स्टार्टअप्स की मदद करने के लिए कई राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम चलाए। वेंचरस्टूडियो में शामिल होने से पहले वह कंज्यूमर इंटरनेट स्पेस में अपने स्टार्टअप की संस्थापक और सीईओ थीं। उन्होंने एमोरी यूनिवर्सिटी से एमबीए और यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स किया है।

दल के अन्य सदस्य

- भारती बनवारी, प्रबंधक – संचालन और प्रशासन
  - भूमिका – स्टार्टअप समन्वयक, अनुदान प्रबंधन समन्वयक, वेंचरस्टूडियो के समग्र संचालन का प्रबंधन, विश्वविद्यालय संचार समन्वयक
  - अनुभव – कॉर्पोरेट संचार, मीडिया और मानव संसाधन में 20 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव
- अरुण लोखंडे, वरिष्ठ प्रबंधक – लेखा और वित्तपोषण
  - भूमिका – स्टार्टअप और अनुदान लेखांकन, उपयोग, विनियम और लेखा परीक्षा
  - अनुभव – संस्थागत वित्त और लेखा में 35 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव
- नीलेश दत्तानी, सलाहकार
  - भूमिका – स्टार्टअप मेंटर, बिजनेस डेवलपमेंट कोच, पोर्टफोलियो लीड
  - अनुभव – विविध उद्योग क्षेत्रों में 25 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव, भूतपूर्व मरीन इंजीनियर तथा आईआईएम, बैंगलोर से एमबीए
- प्रकाश गवाद, वर्कशॉप मशीनिस्ट, निधि प्रयास शाला
  - भूमिका – समग्र संचालन का प्रबंधन, स्टार्टअप को तकनीकी सहायता
  - अनुभव – इंजीनियरिंग, उत्पाद विकास और निर्माण में 15 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव
- वैशाली धमेचा, इलेक्ट्रॉनिक प्रोटोटाइप तकनीशियन, निधि प्रयास शाला
  - भूमिका – समग्र संचालन, योजना संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/आउटरीच कार्यक्रमों, इनवेंट्री और खरीद प्रबंधन के संचालन में सहायता करना
  - अनुभव – इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड विकास में 10 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव
- डॉ. अर्पित शुक्ला, इनक्यूबेशन प्रबंधक, बायोनेस्ट
  - भूमिका – समग्र प्रचालन कार्यों का प्रबंधन, स्टार्टअप को तकनीकी सहायता, योजना सेमिनार/कार्यशाला/आउटरीच कार्यक्रम
  - अनुभव – आण्विक जीवविज्ञान, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ जीवन विज्ञान में 10 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव।
- ग्रुशा जोशी, सीनियर लैब एसोसिएट, बायोनेस्ट
  - भूमिका – समग्र प्रचालन कार्यों में सहायता, इनवेंट्री और खरीद प्रबंधन
  - अनुभव – कैंसर जीव विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ जीवन विज्ञान में 2 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव

इनक्यूबेटर के स्टार इनक्यूबेटीज

लोगो एवं चित्र	स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी/उत्पाद के बारे में विवरण
	बायोफिक्स प्रा. लिमिटेड जैविक कचरे से खाद बनाने के लिए प्रोपराइटरी इन–वेसल प्रोसेस टेक्नोलॉजी और प्रोपराइटरी माइक्रोबियल कॉकटेल
	डेल्टा एच टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड प्रोपराइटरी एक्जोथिर्मिक प्रतिक्रिया का उपयोग कर खाने के लिए तैयार (आरटीई) खाद्य पदार्थों के लिए स्व–हीटिंग पैकेजिंग समाधान
	डायहैप्पी हेल्थ प्रा. लिमिटेड मधुमेह को रिवर्स करके जीवनशैली को ठीक करने के लिए रोगियों हेतु एआई और जैव रसायन का उपयोग करना जिसके परिणामस्वरूप इंसुलिन और दवाओं में कमी आई जिससे खुशहाल और स्वस्थ जीवन व्यतीत हो।
	आईफैक्ट रीढ़ की हड्डी की चोट या गतिशीलता विकारों से ग्रस्त रोगियों के लिए स्टेंडिंग व्हीलचेयर जैसे पुनर्वास और सहायक उपकरण
	स्ट्रॉस हेल्थकेयर देखभाल की निरंतरता में हेल्थकेयर डिलीवरी के लिए एआई सक्षम एकीकृत प्रौद्योगिकी समाधान
	ईजी ब्रेसेस अनुकूलित दंत ब्रेसिज का विकसित करना जो 3–आयामी गतिशील हैं।
	प्रागमाटेक हेल्थकेयर सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड सर्वाइकल प्री–नियोप्लासिया के शुरुआती चरणों का पता लगाने और पॉइंट–ऑफ–केयर उपचार को सक्षम बनाने के लिए सर्वाइकल सेल्फ–सैंपलिंग एस्से किट, सर्विचेक को विकसित करना।
	विडकेयर इनोवेशन्स प्रा. लिमिटेड नवजात (नवजात शिशु) की जांच के लिए एक त्वरित उपकरण–फ्री पॉइंट–ऑफ–केयर डिस्पोजेबल डिवाइस।

ओजस मेडटेक बायोनेस्ट – आईआईआईटी हैदराबाद

इनक्यूबेटर के संदर्भ में: आईआईआईटी हैदराबाद स्थित ओजस मेडटेक बायोनेस्ट बीमारी की रोकथाम, पता लगाने, निदान, उपचार, निगरानी और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और औषधि के प्रतिच्छेदन पर उत्पादों के निर्माण के लिए एक इनक्यूबेटर है। इस इनक्यूबेटर का ध्यान आज स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों को दर्शाता है। जैसे–जैसे उपभोक्ता अधिक सटीक निदान, बीमारी की बेहतर भविष्यवाणियां, अनुरूप उपचार, और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को खोजते हैं, वैसे ही नई तकनीकों को वर्तमान क्षमताओं को आगे बढ़ाने की आवश्यकता होती है और नवप्रवर्तकों को दवा के अभ्यास के विभिन्न तरीकों की कल्पना करने की आवश्यकता होती है। ओजस स्वास्थ्य सेवा कार्यों में डिजिटल तकनीकों का उपयोग करते हुए भविष्य के साहसिक और अभिनव विचारों पर काम करने वाले उद्यमियों का स्वागत करता है।

- **स्थान** – भूतल, विंध्य सी4, आईआईआईटी–एच कैंपस, गच्चीबौली, तेलंगाना 500032
- **कुल स्थान (इनक्यूबेशन, प्रयोगशाला स्थान, सार्वजनिक क्षेत्र आदि)** – 8000 वर्ग फुट। (65 सीटें)
- **अब तक समर्थित इनक्यूबेटों की संख्या** – 47
- **व्यावसायीकृत कुल उत्पाद / प्रौद्योगिकियां** –
  - क. व्यावसायीकृत उत्पादों की संख्या = 18
  - ख. स्टार्ट–अप द्वारा प्रदत्त आईपी समर्थित सेवाओं की संख्या = 15
- **कुल आईपी सुविधा**– 15
- **किराया** – 4500 – 5500 रु. प्रति सीट

प्रदत्त सुविधाएं और अनूठी विशेषताएं –

सामान्य ढांचागत सेवाएं	– अत्याधुनिक, प्लग एंड प्ले सह–कार्य क्षेत्र – बैठक के कमरे, लाउंज – मेडटेक लैब जो निम्नलिखित के साथ सुसज्जित है • ब्रेन विजन रिकॉर्डर सहित एक्टी32 चौंपियन सिस्टम • लाइव एम्प. वायरलेस सिस्टम • जेडएनबी वेक्टर विश्लेषक • जीपीयू वर्कस्टेशन . पेरिफेरल्स • जैस्को स्पेक्ट्रोमीटर • नैनो सामग्री संश्लेषण डिटेक्टर • फ्यूम हुड • सॉलिड रोमन स्पेक्ट्रोमीटर स्टेज • बॉल मिल • स्पेकट्रूम विश्लेषक • दोलनदर्शी • एफएन जेनरेटर • डीसी सोर्स मीटर • मल्टी डीसी पॉवर सप्लाय • कैड टूल्स (क. अल्टीम कैड टूल्स (सायनोप्सिस वीएलएसआई) ख. कॉमसोल कैड टूल

	ग. एचएसपीआईसीई कैड टूल (कैडेन्स वीएलएसआई) – मेकर्स लैब (पूर्णतया सुसज्जित हार्डवेयर प्रोटोटाइपिंग लैब)
वैज्ञानिक सहायता सेवाएं	• डोमेन संरक्षण • क्लिनिकल नैदानिक शोध और ट्रेल्स के लिए कार्यक्रम • अस्पताल को कनेक्ट करता है। • आईआईटी हैदराबाद के शोधकर्ताओं और प्रोफेसरों के साथ कनेक्ट करता है।
सलाहकार और सलाह सेवाएं	ओजस मेडटेक बायोनेस्ट इनक्यूबेटी स्टार्टअप्स को सत्यापन, गो टू मार्केट, पाथ टू एमवीपी, पाथ टू क्लिनिकल ट्रेल्स, उन्नयन, फंड जुटाने और ओजस एक्सेलेरेटर कार्यक्रम पोस्ट डॉक उद्यमिता अध्येतावृत्ति और सूक्ष्म त्वरक कार्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर जाने के लिए एक मंच विशिष्ट परामर्श प्रदान करता है।
सूचना सेवाएं (पुस्तकालय, डेटाबेस पहुंच)	इनक्यूबेटी स्टार्टअप्स उद्योग से बाजार शोध रिपोर्ट तक पहुंच सकते हैं।

सुविधाओं का चित्र संग्रहः

दल के संदर्भ में

आईआईआईटी हैदराबाद स्थित ओजस मेडटेक बायोनेस्ट का नेतृत्व श्री रमेश लोगनाथन, प्रधान अन्वेषक और प्रोफेसर–सह–नवाचार और प्रमुख अनुसंधान/नवाचार आउटरीच द्वारा किया जाता है, जिनके पास आर. एंड डी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, उद्यमिता, नवाचार में 25 वर्ष से अधिक समय का कार्यानुभव है।

वह प्रोग्रेस सॉफ्टवेयर इंडिया के प्रबंध निदेशक और तेलंगाना राज्य के अंतरिम मुख्य नवाचार अधिकारी के रूप में सेवारत हैं।

ओजस मेडटेक बायोनेस्ट के प्रमुख श्री अनुभव तिवारी के पास स्टार्टअप इनक्यूबेशन में 10 वर्ष का कार्यानुभव और हितधारक प्रबंधन में विशेषज्ञता रखते है, ओजस मेडटेक बायोनेस्ट के वरिष्ठ विश्लेषक, श्री विकास साहू स्वयं एक दंत चिकित्सक और नवप्रवर्तनक होने के नाते मेडटेक और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में समृद्ध कार्यानुभव रखते हैं। वर्तमान में वह बायोनेस्ट में कार्यक्रमों का नेतृत्व करते हैं।

रीसेंट टी हेल्थ कैफे इवेंट का समूह चित्रः स्टार्टअप संस्थापकों ने विचारों को मान्यता देने के लिए चिकित्सकों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ बैठक की।

इनक्यूबेटर के स्टार इनक्यूबेटीज

लोगो और चित्र	स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी/उत्पाद के बारे में विवरण
SOUJHE INNOVATIVE	सौझे स्ट्रोक या दुर्घटनाओं से उबरने वाले रोगियों के लिए आईओटी सक्षम गैमिफिल्ड पुनर्वास और फिजियोथेरेपी उपकरणों का सूट बना रहा है।
logy.AI	वे तीव्र और उन्नत हेल्थकेयर एआई मॉडल निर्मित करने में मदद करते हैं। कंपनी मलेरिया और सर्वाइकल कैंसर का पता लगाने के लिए एआई आधारित एल्गोरिदम विकसित कर रही है।
eSkin DOCTOR	ईस्कीनडॉक्टर आपकी त्वचा की समस्या का पूर्व–निदान करने के लिए अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजन का उपयोग करता है और त्वचा विशेषज्ञों के विशिष्ट पैनल के मार्गदर्शन से इसका समाधान करने में मदद करता है।
Prakhya Solutions Digital shift in Maternity Care	कंपनी ग्रामीण क्षेत्रों में मातृत्व देखभाल के बेहतर प्रबंधन के लिए एक मंच विकसित कर रही है।
Onward Health	कंपनी एक उन्नत कैंसर पूर्वानुमान मंच विकसित कर रही है। यह मंच हिस्टोपैथोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट और ऑन्कोलॉजिस्ट को कंप्यूटर विज़न और एमएल–आधारित स्वचालित निदान उपकरण और उपचार निर्णय समर्थन उपकरण उपलब्ध कराता है।
RAYD8	रेडी8 एक प्रारंभिक चरण का स्टार्टअप है जो संपर्क रहित और स्वचालित तरीके से जांच, खोज और निगरानी प्रणाली की एक पूरी श्रृंखला बनाने पर केंद्रित है।
clearcals	क्लीयरकैल्स अप्रैल 2020 में स्थापित एक डिजिटल स्वास्थ्य और पोषण स्टार्टअप है। पुरानी बीमारियों के जोखिम से पीड़ित रोगियों और व्यक्तियों को बचाने के लिए व्यक्तिगत जीवन शैली संबंधी चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध करना हमारी रुचि का क्षेत्र है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विज्ञान से विकास–प्रौद्योगिकी से प्रगति

बायोनेस्ट इनक्यूबेटरों द्वारा आयोजित रोड शो

एक दिवसीय कार्यशाला पर 3डी प्रौद्योगिकी (डिजाइन और प्रिंटिंग)

आयोजक का नामः बायोनेस्ट, एनआईपीईआर–अहमदाबाद

दिनांकः 23 अक्टूबर, 2021

दिनांक 23 अक्टूबर, 2021 को प्रातः 09.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान 3डी प्रिंटिंग संबंधी मूलभूत तथ्यों से लेकर एसएलए और एफडीएम प्रिंटर्स सहित 3डी प्रिंटिंग एप्लीकेशन के उन्नत स्तर तक की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने 3डी प्रिंटरों के विभिन्न खंडों और उसके उपयोग के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में सीखा। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण लेने का भी मौका मिला।

आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए 'पारंपरिक चिकित्सा पद्धति– व्यवस्था को मुख्यधारा में लाने के लिए जैव प्रौद्योगिकी की सशक्त भूमिका एवं यात्रा का प्रदर्शन' पर ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला

आयोजक का नामः बायोनेस्ट–एनआईपीईआर गुवाहाटी

दिनांकः 26 नवंबर, 30 नवंबर और 9 दिसंबर, 2021

आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले, बायो–नेस्ट, एनआईपीईआर गुवाहाटी ने वर्चुअल तौर पर 26 नवंबर, 30 नवंबर और 9 दिसंबर, 2021 को 'पारंपरिक चिकित्सा पद्धति– व्यवस्था को मुख्यधारा में लाने के लिए जैव प्रौद्योगिकी की सशक्त भूमिका और यात्रा का प्रदर्शन – एक व्याख्यान श्रृंखला' का आयोजन किया।

डॉ. बी. पी. शर्मा, प्रोफेसर, गवर्नमेंट आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल, गुवाहाटी ने 'पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को मुख्यधारा में लाना; एक आयुर्वेदिक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. पुलक कुमार मुखर्जी, निदेशक, डीबीटी–आईबीएसडी इंफाल, मणिपुर ने 'पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को मुख्यधारा में लाना; एक एथनोफार्माकोलॉजी दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान दिया और डॉ. एन. सी. तालुकदार, कुलपति, असम डाउनटाउन विश्वविद्यालय ने 'पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को मुख्यधारा में लाना; एक जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण' विषय पर क्रमशः अपने विचार प्रकट किए।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों और समग्र भारत के प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के विभिन्न पहलुओं और व्यवस्था को मुख्य धारा में लाने के लिए चल रहे शोध और अभ्यास के बारे में सीखा।

व्याख्यानों को समाज के हित के लिए एनआईपीईआर–गुवाहाटी के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। **लिंकः** https://www.youtube.com/watch?v=dl4zHm5nCrk

युवा जैव प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों और नवाचार की प्रशंसा

आयोजक का नामः बायोनेस्ट– दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांकः 20 नवंबर, 2021

बायोनेस्ट–यूडीएससी ने भारत की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए वर्चुअल तौर पर 20 नवंबर, 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य राष्ट्र के विकास में युवा बायोटेक नवोन्मेषकों के योगदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करना था।

इस कार्यक्रम का संचालन बायोनेस्ट–यूडीएससी के सीईओ विजय कंथारिया ने किया और वहां दो युवा बायोटेक थे। नवोन्मेषकों को अपनी कहानी और नवाचार की यात्रा को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। आमंत्रित वक्ताओं में 1. नैनोस्पाइन टेक्नोलॉजिज के संस्थापक डॉ. संदीप पाटिल और डॉ. रूबी गुप्ता शामिल थीं। इस कार्यक्रम का प्रचार–प्रसार दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के कॉलेज नेटवर्क के बीच अत्यधिक तेजी से हुआ। छात्रों से उचित प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और 75 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के छात्रों के अलावा कई संकायों ने भी भाग लिया।

डॉ. संदीप पाटिल और डॉ. रूबी गुप्ता ने अपने कार्य प्रस्तुत किये और भविष्य के लिए अपनी नवाचार यात्रा और योजना के बारे में जानकारी साझा की और बताया कि कैसे उन्हें अपनी उद्यमिता यात्रा को आगे बढ़ाने में बाइरैक से सहयोग प्राप्त हो रहा है। अंत में छात्रों ने कई प्रश्न पूछे और उनके साथ इंटर्नशिप करके अपने काम के बारे में अधिक जानने में अपनी रुचि दिखाई। कुल मिलाकर यह आयोजन बेहद सफल रहा और छात्रों ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की।

एक्शन@75– समाज पर जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता, यात्रा और प्रभाव का प्रदर्शन

आयोजक का नामः टीआरओएन काउंसिल, वीसीआर पार्क

दिनांकः 29 नवंबर, 2021

ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के 75वें वर्ष के सम्मान में, आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए सरकार की पहल के अंतर्गत, बाइरैक के बायोनेस्ट कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषित ट्रांसलेशनल ऑन्कोलॉजी काउंसिल (टीआरओएन काउंसिल) ने ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय एक्शन@75 था और कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य यह दर्शाना था कि कैसे एक प्रमुख बायोनेस्ट केंद्र द्वारा किये गये विशिष्ट कार्यों ने अपने स्टार्टअप की प्रगति में सहयोग और गति प्रदान की। टीआरओएन काउंसिल विशाल व्यास कैंसर रिसर्च पार्क (वीसीआर पार्क) पारिस्थितिकी तंत्र का एक हिस्सा है, जो 24/7 आधार पर मुख्य प्रयोगशालाओं का संचालन करता है, अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के व्यापक प्रसार को पूरा करने के दिशा में अनेक भागीदार संगठनों और पेशेवरों के तंत्र तक पहुंच प्रदान करता है।

एनवेडा बायोसाइंसेज के समर्थन में, वीसीआर पार्क में पहला स्टार्टअप स्थापित किया गया और जिसे टीआरओएन काउंसिल का सहयोग मिला, निगमन प्रयासों को कंपनी के पंजीकरण और अनुपालन के परिचय के माध्यम से सुव्यवस्थित किया गया। जब कड़े राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान अधिकांश संगठनों को बंद होने के लिए मजबूर होना पड़ा, तो वीसीआर पार्क ने आवश्यक कर्मचारियों को संचालित करने की व्यवस्था की और ऐसा करने की अनुमति प्राप्त की। जिसके परिणामस्वरूप मूल्यवान आयु–मिलान वाले छोटे पशु प्रयोगों से संबंधित प्रत्यक्ष बचत हुई, जिससे अन्यथा उत्पादकता में 6–8 महीने से अधिक की हानि होगी। अन्य अवसरों पर, वीसीआर पार्क में उपलब्ध ना होने वाली विशिष्ट विशेषज्ञता को कार्यनीतिक साझेदारियों उदाहरणार्थः हाईलास्को के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले जानवरों तक पहुंच, एनआरआई–अस्पताल में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री, और एंथम बायोसाइंसेज में जीएलपी प्रयोगों के माध्यम से व्यवस्थित किया गया। इन कार्यों से एनवेडा में निजी इक्विटी प्लेसमेंट के माध्यम से सफलतापूर्वक धन जुटाने में मदद मिली। दो वर्षों की लघु अवधि के भीतर, 4.9 मिलियन डॉलर और 51 मिलियन डॉलर के दो फंडिंग राउंड सफलतापूर्वक जुटाए गए।

टीआरओएन काउंसिल और वीसीआर पार्क पारिस्थितिकी तंत्र ने एनवेडा के विस्तार में सहयोग करना जारी रखा है और अन्य स्थापित स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए तत्पर है। इसने बायोनेस्ट कार्यक्रम के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ प्रमुख प्रयोगशाला का भी निर्माण किया है और इसमें सुदृढ़ विज्ञान और गहन बायोटेक के आधार पर राष्ट्र–निर्माण में योगदान करने के लिए जीवंत स्थान का लाभ उठाने के लिए स्टार्टअप्स की एक महत्वपूर्ण पाइपलाइन है।

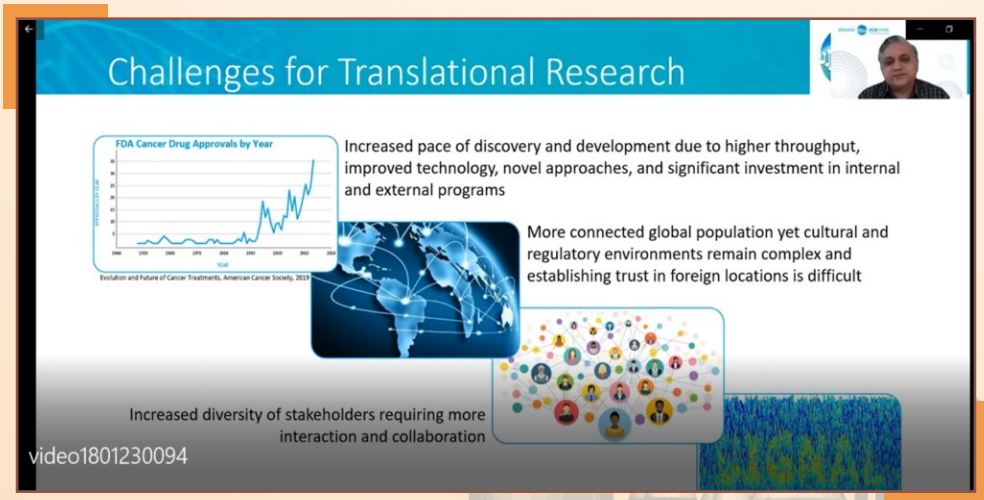

विज्ञान से विकास–कृषि क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ समाज पर जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता, यात्रा और प्रभाव का प्रदर्शन

आयोजक का नामः वीआईटीटीबीआई, वीआईटी, वेल्लोर

दिनांकः 15 दिसंबर, 2021

भारत सरकार के 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के अंतर्गत ''विज्ञान से विकास– कृषि क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ समाज पर जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता, यात्रा और प्रभाव का प्रदर्शन'' पर एक वेबिनार का आयोजन 15 दिसंबर, 2011 को किया गया । एक प्रख्यात वैज्ञानिक से उद्यमी बने डॉ. के. के. नारायणन (मेटाहेलिक्स और कोट्टाराम एग्रो फूड्स के संस्थापक) ने इस सत्र को संबोधित किया और इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. नारायणन ने अपने संबोधन में उत्पादकता और पर्यावरणीय पदचिह्नों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए आनुवंशिक चिकित्स्कीय उपचार, जैव कीटनाशकों और जैव उर्वरकों जैसी कृषि क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने अतीत पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए बताया कि कैसे भारत ने हरित क्रांति जैसे केंद्रित चिकित्स्कीय उपचारों के माध्यम से अकाल और भोजन की कमी को दूर किया। निर्वाह खेती, अव्यवहार्य आर्थिक लाभ, उपज की हानि (कटाई के उपरांत, भंडारण और मूल्यसंवर्धन) की चुनौतियों से निपटने के लिए भविष्य कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रबंधन और दृष्टिकोण से जुड़ा है।

दर्शकों, मुख्य रूप से छात्रों, शोधकर्ताओं, स्टार्ट–अप और संकाय सदस्यों ने विशेषज्ञ के साथ बातचीत की और उनकी विशेषज्ञता से सीखा।

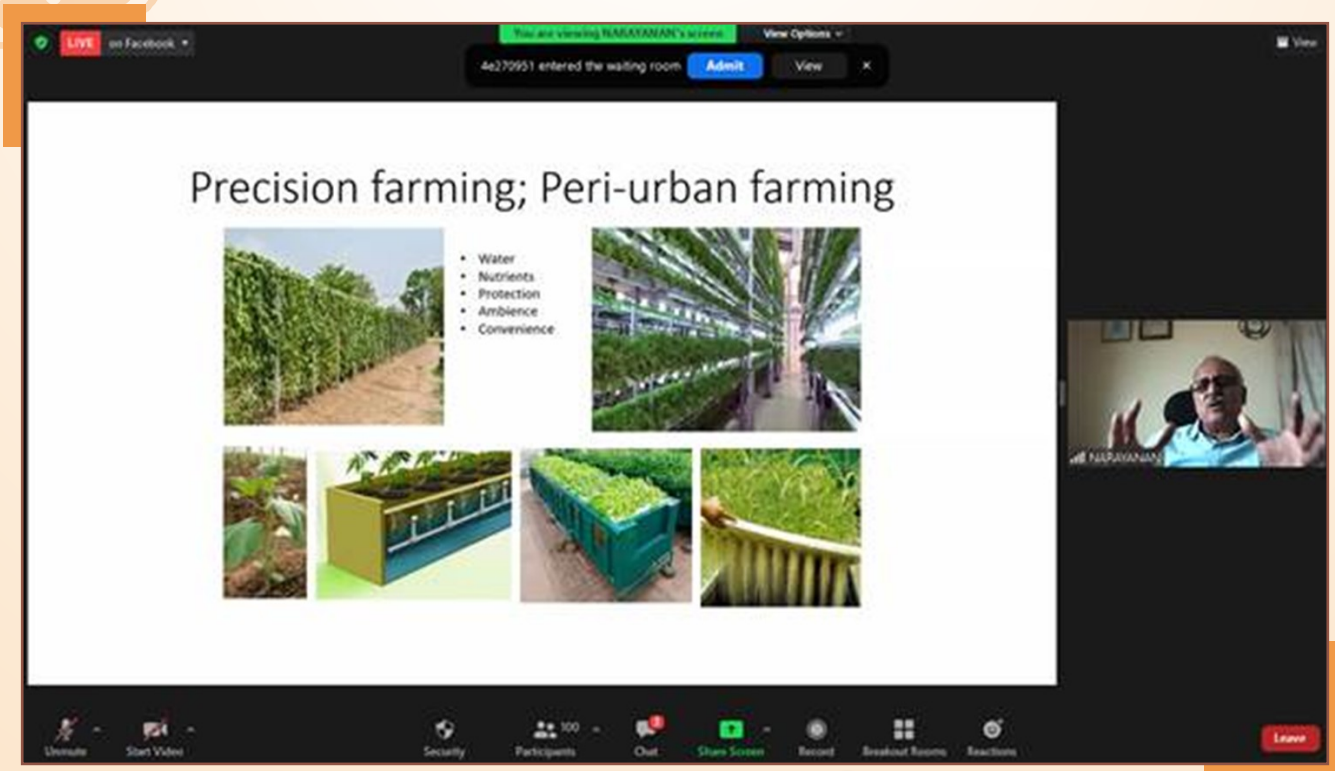

आकांक्षी उद्यमियों के लिए आइडियाटेशन कार्यशाला

आयोजक का नामः डीआईएफएफ, डीपीएसआरयू

दिनांकः 20 दिसंबर, 2021

डीपीएसआरयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन ने कनाडा स्थित रेवील सॉल्यूशंस इंक. के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 2 घंटे की आइडियाटेशन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय थाः आइडियाज@75। कार्यशाला आइडियाटेशन के लक्षित दर्शक छात्रों/शोधकर्ताओं/नवोन्मेषकों सहित आकांक्षी उद्यमी थे और जिसका उद्देश्य उन्हें व्यावसायिक विचारों से ओतप्रोत करने और व्यावसायिक उद्यम में पोषित करने की कला के बारे में उनका ज्ञानवर्धन करना था। यह कार्यशाला डीआईआईएफ के वार्षिक हैकथॉन के तीसरे संस्करण; हेल्थहॉक 3.0 के लिए प्रारंभिक गतिविधि थी। महामारी की स्थिति को देखते हुए, कार्यशाला को वर्चुअल तरीके से आयोजित किया गया और इसके लिए विभिन्न पृष्ठभूमि के 94 व्यक्तियों ने पंजीकरण कराया था। डीआईआईएफ के निदेशक, प्रो. एच. पोपली द्वारा एकेएएम के विषय को प्रस्तुत करने के उपरांत, संवाद सत्र आरंभ हुआ जिसमें प्रतिपालक और स्पीकर, श्री निलय गोयल ने दर्शकों से विभिन्न विषयों पर नए व्यावसायिक विचार प्रस्तुत करने के लिए कहा और फिर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। 2 घंटे के सत्र के दौरान 45 से अधिक नए व्यावसायिक विचारों पर चर्चा की गई और श्री निलय गोयल ने प्रत्येक विचार की व्यवहार्यता का आकलन किया, और इस विचार को व्यावसायिक उद्यम में बदलने के लिए संक्षिप्त सुझाव दिए। कार्यशाला का समापन डीआईआईएफ के नोडल अधिकारी श्री नवीन कुमार गौड़ ने प्रतिभागियों, श्री निलय गोयल, बाइरैक और प्रो. हरविंदर पोपली को धन्यवाद ज्ञापन देते हुए किया।

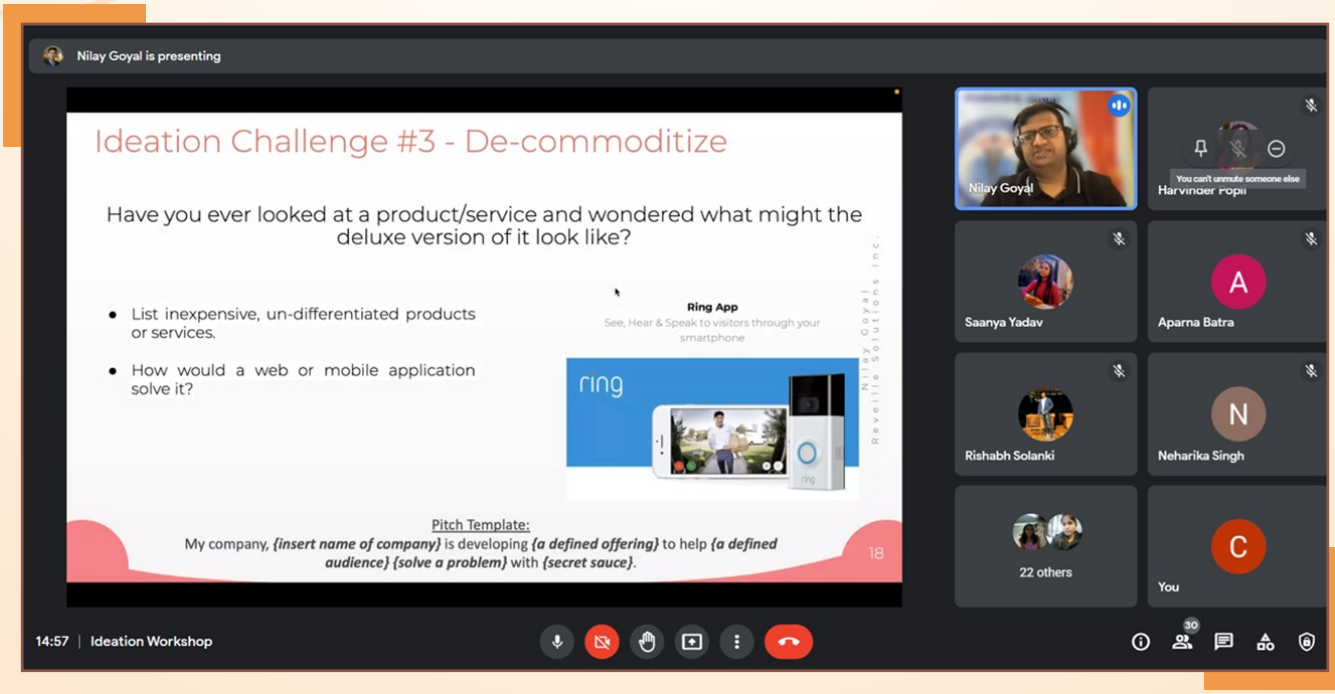

सफलता की उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाएं @75

आयोजक का नामः केआईआईटी–प्रौद्योगिकी व्यावसाय इनक्यूबेटर

दिनांकः 21 दिसंबर, 2021

भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह मनाने के लिए, केआईआईटी–प्रौद्योगिकी व्यावसाय इनक्यूबेटर ने 21 दिसम्बर, 2021 को ''विज्ञान से विकास – समाज पर जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता, यात्रा और प्रभाव का प्रदर्शन'' की टैगलाइन के साथ ''सशक्त भारत'' की थीम के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान हमारी महिला नेतृत्वकर्ताओं और नवोन्मेषकों की उपलब्धियों और सफलता को अचीवमेंट्स@75 की श्रेणी के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने उपलब्धियों से अवगत कराया और हमारी महिला नेतृत्वकर्ताओं/वैज्ञानिकों के बहुमूल्य योगदान और समर्पित प्रयासों से समाज पर जैव प्रौद्योगिकी के प्रभाव और स्वतंत्रता के पश्चात महिलाओं की स्थिति में आये परिवर्तन के बारे में अपने विचार प्रकट किये।

कार्यक्रम की शुरुआत केआईआईटी–टीबीआई के सीईओ डॉ. मृत्युंजय सुआर के स्वागत अभिभाषण से हुई, जहां उन्होंने महिला नेतृत्वकर्ताओं और उद्यमियों के उत्थान के लिए सरकार के बहुमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे वे देश के उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र में क्रांति ला रहे हैं। अगली वक्ता केआईआईटी–टीबीआई की प्रमुख इनक्यूबेशन डॉ. नम्रता मिश्रा ने उस चरण के बारे में बताया जो महिला उद्यमियों के लिए निर्धारित किया गया है और महिलाओं की भागीदारी और विकास के लिए भावी अवसरों के बारे में अवगत कराया। तदोपरांत, हमारी अगली वक्ता, डीबीटी, भारत सरकार की पूर्व सलाहकार डॉ. मीनाक्षी मुंशी ने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिला नेतृत्वकर्ताओं और वैज्ञानिकों के योगदान के बारे में अवगत कराया। भारत की स्वतंत्रता के पश्चात महिलाओं को मिलने वाले अवसरों में बदलाव और उनकी उत्थान यात्रा के बारे में एसएचएआरई इंडिया की कार्यक्रम निदेशक, डॉ. शिखा धवन ने जानकारी दी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारी महिला नेतृत्वकर्ताओं को मिलने वाले अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि एवं उनके बहुमूल्य योगदान को केआईआईटी विश्वविद्यालय की शैक्षिक उद्यमी, डॉ. भावना गुप्ता ने उपयुक्त तरीके से संबोधित किया।

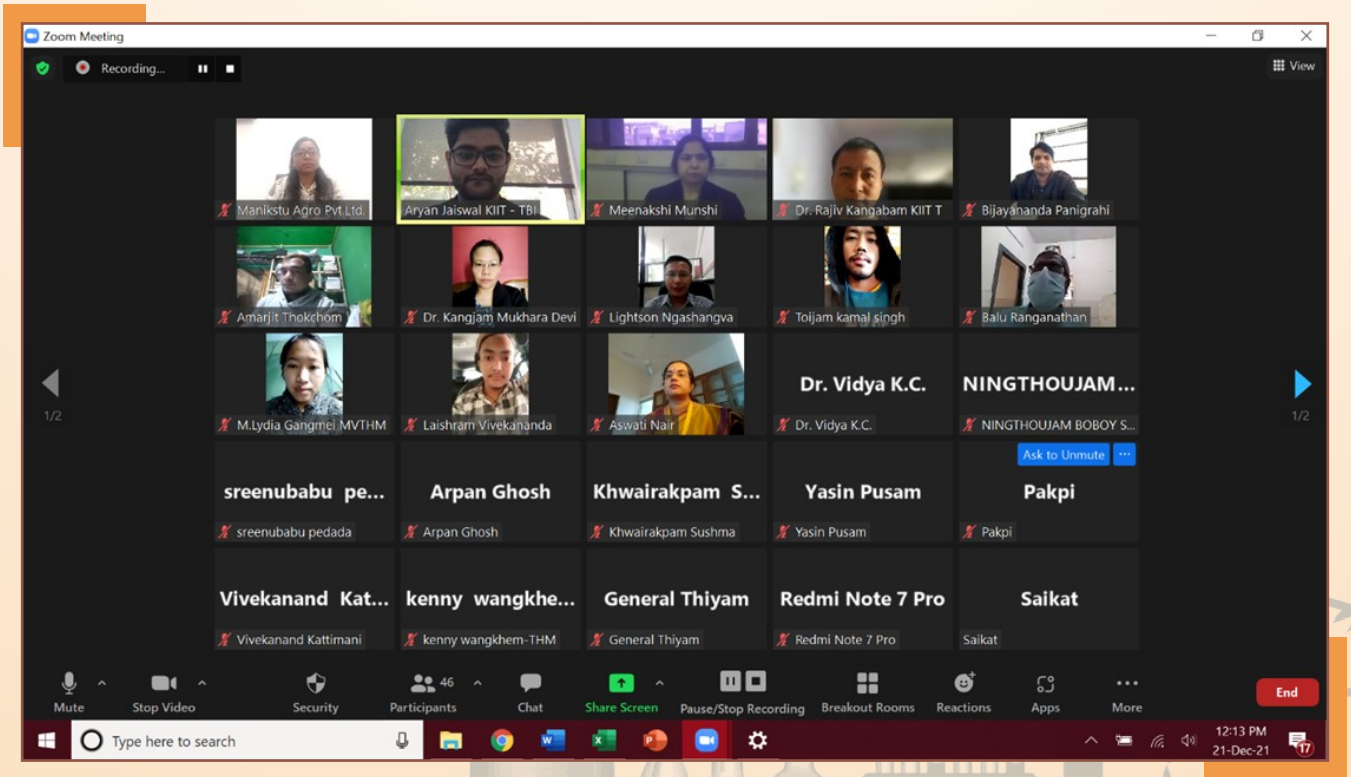

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

बाइरैक ने 26 अक्टूबर, 2021 से 01 नवंबर, 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 के कारण, बाइरैक के कार्यबल द्वारा बाइरैक कार्यालय में प्रबंध निदेशक, बाइरैक की उपस्थिति में ''सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा'' कार्यक्रम का संचालन किया गया। बाइरैक ने कार्यालय कें प्रमुख स्थानों पर ई–बैनर लगाकर सूचना का प्रसार भी किया।

गतिविधियों की कुछ झलकियाँ नीचे दी गई हैं:

लचीलापन और तनाव प्रबंधन पर प्रशिक्षण

बाइरैक संगठन में प्रत्येक के निरंतर सुधार, क्रॉस लर्निंग के साथ–साथ नवोन्मेषी और प्रेरक गतिविधियों में लगे रहने के महत्व कों समझता है। कर्मचारियों की मदद करने के उद्देश्य से, सहानुभूति और कार्यकारी उपस्थिति के माध्यम से शिष्टाचार और सही दृष्टिकोण के साथ कार्य के दौरान सहयोगी संप्रेषण का निर्माण करने के लिए 03 दिसंबर, 2021 को बाइरैक कर्मचारियों के लिए 'व्यक्तिगत पुनः अभियांत्रिकरण' पर संस्थानिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण से कर्मचारियों को जीवन के सभी चरणों के दौरान सकारात्मक आचरण के निर्माण और स्वयं तथा दूसरों को प्रेरित करने में मदद मिली। इससे कर्मचारियों को आत्मचेतना का उपयोग करके भावनात्मक रूप से बुद्धिमान होने के महत्व को समझने में भी मदद मिली।

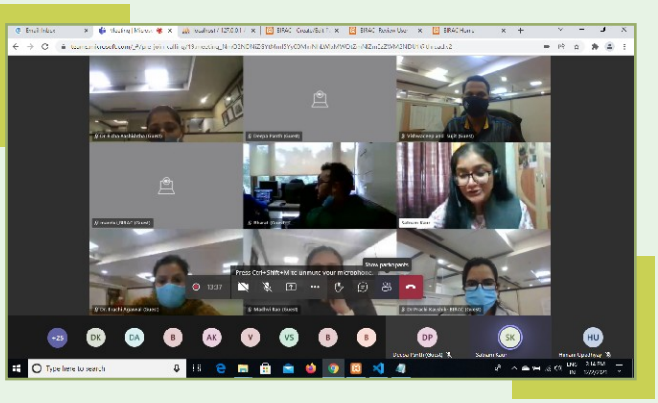

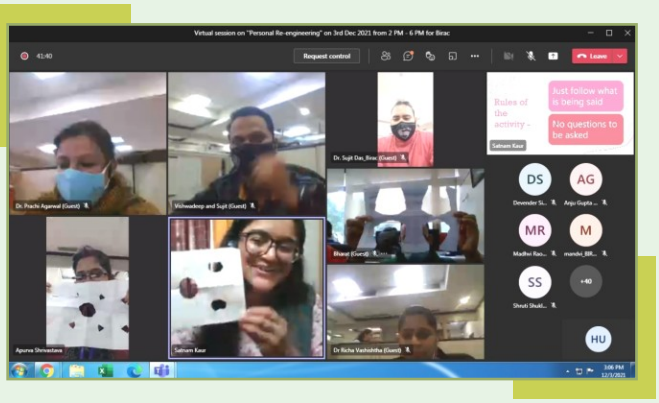

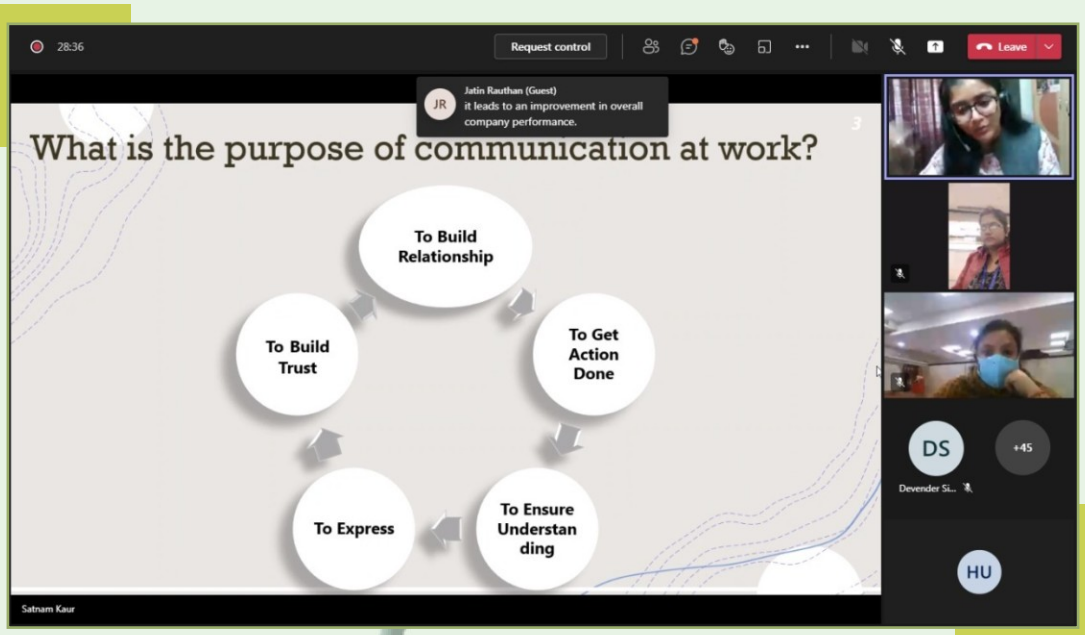

Grand Challenges India

ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया (जीसीआई)

जीसीआई ग्लोबल ग्रैंड चैलेंजेस की भारतीय शाखा है, जिसे भारत और दुनिया भर में स्वास्थ्य में सुधार के लिए किफायती और टिकाऊ समाधान विकसित करने के लिए भारतीय नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2012 में लॉन्च किया गया था, और यह बाइरैक में पीएमयू द्वारा प्रबंधित एक प्रमुख कार्यक्रम है और इसे जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ), और वेलकम ट्रस्ट द्वारा सहयोग से वित्त पोषित किया जाता है।

इसका मुख्य उद्देश्य कुछ ऐसी मुश्किल चुनौतियों का सामना करना था जिनका हम आज सामना कर रहे हैं और भारत और उसके बाद दुनिया भर में स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए किफायती और टिकाऊ समाधान विकसित करने के लिए भारतीय नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित करके उनसे निपटना है।

पिछले कुछ वर्षों के अंदर, जीसीआई भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य में अनुसंधान की लगातार बदलती जरूरतों का जवाब देने के लिए मैटरनल/मातृ और बाल स्वास्थ्य से लेकर कृषि, पोषण, संक्रामक रोगों आदि तक विभिन्न विषयों को कवर करते हुए एक विचार और साझेदारी के रूप में विकसित हुआ है।

वर्तमान में, जीएसआई अनुसंधान और विकास गतिविधियों की एक श्रृंखला का समर्थन करता है। हमने बुनियादी अनुसंधान, अनुवाद अनुसंधान, हस्तक्षेप परीक्षण, नैदानिक परीक्षण, डेटा का एकीकरण और विश्लेषण, उत्पाद और प्रौद्योगिकी में विकास का समर्थन किया है। जीसीआई परियोजनाओं को उनके जीवनचक्र के विभिन्न चरणों में भी वित्तीय सहायता देता है; प्रयोगशालाओं में बुनियादी विज्ञान अनुसंधान से लेकर प्रूफ–ऑफ–कॉन्सेप्ट प्रोजेक्ट्स तक और संभावित रूप से नवाचार परियोजनाओं के पैमाने तक। जीसीआई फिलहाल वित्त पोषण के क्षेत्र और तंत्र के विस्तार के लिए काम कर रहा है।

ग्रैंड चैलेंज इंडिया 4 प्रमुख विषयों पर काम करता है:

- मातृक एवं बाल स्वास्थ्य
- टीकाकरण और संक्रामक रोग
- कृषि और पोषण
- मेडटेक का विकास और उद्यमिता का समर्थन

राष्ट्रीय बॉयोफार्मा मिशन

कौशल विकास

नैदानिक परीक्षण तंत्र (सीटीएन) के लिए जैव नीतिशास्त्र पर व्याख्यान श्रृंखला

नैदानिक परीक्षण क्षमता को सुदृढ़ बनाने के लिए पांच नेटवर्क कर्मचारियों के लिए जैव नीतिशास्त्र पर पांच (05) प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी अस्पताल स्थलों के लिए आयोजित किए गए जो सीटीएन का हिस्सा है। यह कार्यक्रम डीबीटी के तहत एक स्वायत्त संस्थान, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) के एक बाह्य केंद्र, क्लिनिकल डेवलपमेंट सर्विसेज एजेंसी (सीडीएसए) द्वारा राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किये गये और जिसमें सत्र विराम, संवादमूलक प्रश्नोत्तरी, समूह अभ्यास/मामलों का अध्ययन एवं बहिर्गमन मूल्यांकन (ऑनलाइन ऑटो–प्रोक्टर्ड, सिंगल लॉग–इन) के साथ चार (04)– चार घंटे के तीन (03) वेबिनार थे।

जैव नीतिशास्त्र कार्यक्रम में निम्नलिखित तीन मॉड्यूल शामिल हैं:

मॉड्यूल 1: नैतिकता के लिए विशिष्ट विनियम और दिशानिर्देश, नैतिकता समिति संरचना, भूमिकाएं एवं उत्तरदायित्व, कार्य, समीक्षा प्रक्रिया

मॉड्यूल 2: निर्णय लेना, ईसी संचार, आदि सूचित सहमति प्रक्रिया, हितों का टकराव

मॉड्यूल 3: सुगम, सीटीआरआई, एसएई कार्य–कारण और मूल्यांकन, ईसी की मान्यता

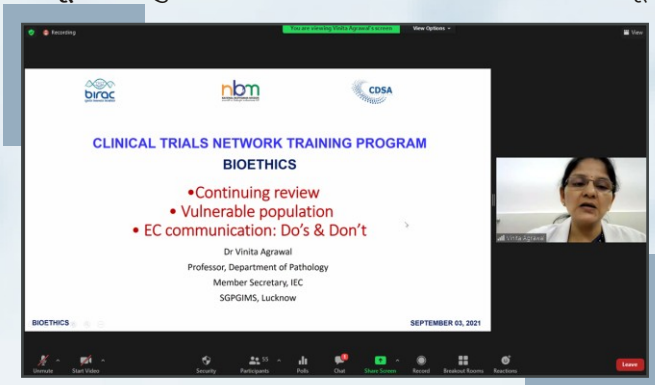

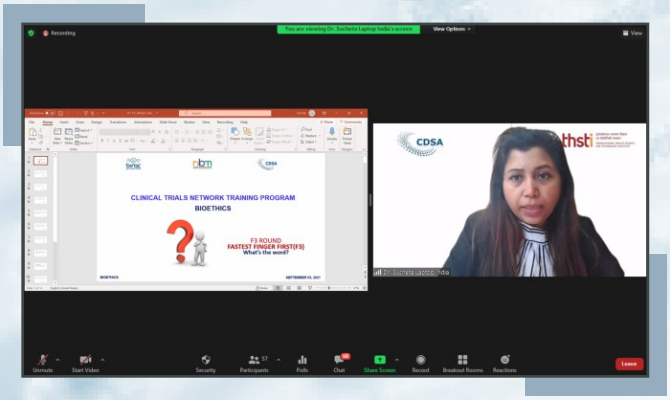

नैदानिक परीक्षण तंत्र (सीटीएन) के लिए जैव नीतिशास्त्र पर व्याख्यान श्रृंखला की प्रमुख झलकियाँ

सीटीएन (नेत्र विज्ञान) के लिए, निम्नलिखित प्रतिभागियों ने क्रमशः मॉड्यूल 1 (27–07–2021), मॉड्यूल 2 (06–08–2021) और मॉड्यूल 3 (13–08–2021) के लिए 38 उपस्थित लोगों की भागीदारी के साथ पंजीकरण कराया:–

1) अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोचीन, केरल (पी)
2) क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान, आईजीआईएमएस, पटना, बिहार (जी)
3) क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान, त्रिवेंद्रम (जी)
4) शंकर देव नेत्रालय गुवाहाटी, असम (पी)
5) आदित्यज्योत आई हॉस्पिटल, मुंबई (पी)
6) सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट, मध्य प्रदेश (पी)

सीटीएन (मधुमेह) के लिए, निम्नलिखित प्रतिभागियों ने क्रमशः मॉड्यूल 1 (27–08–2021), मॉड्यूल 2 (03–09–2021) और मॉड्यूल 3 (17–09–2021) के लिए 61 उपस्थित लोगों की भागीदारी के साथ पंजीकरण कराया:

1) गोकुला एजुकेशन फाउंडेशन / एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज और अस्पताल
2) विक्टोरिया हॉस्पिटल, बैंगलोर मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, कर्नाटक (जी)
3) नॉर्थ इस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज, शिलांग, मेघालय (जी)
4) इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एसएसकेएम अस्पताल) (जी)
5) श्री गुरु राम दास यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, अमृतसर, पंजाब (पी)
6) एनआईएमएस मेडिसिटी, केरल (पी)
7) एसआरएम इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंस, चेन्नई, तमिलनाडु (पी)

सीटीएन (ऑन्कोलॉजी) के लिए, निम्नलिखित प्रतिभागियों ने क्रमशः मॉड्यूल 1 (01–10–2021), मॉड्यूल 2 (08–10–2021) और मॉड्यूल 3 (22–10–2021) के लिए 61 उपस्थित लोगों की भागीदारी के साथ पंजीकरण कराया:

1) जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, जेआईपीएमईआर (जी)
2) इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड सम हॉस्पिटल, भुवनेश्वर (पी)
3) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड (जी)
4) क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना, पंजाब (पी)
5) मीनाक्षी मिशन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मदुरै, तमिलनाडु (पी)
6) अमला कैंसर अनुसंधान केंद्र (पी)

सीटीएन (रूमेटोलॉजी) के लिए, निम्नलिखित प्रतिभागियों ने क्रमशः मॉड्यूल 1(12–11–2021), मॉड्यूल 2(26–11–2021) और मॉड्यूल 3(03–12–2021) के लिए 43 उपस्थित लोगों की भागीदारी के साथ पंजीकरण कराया:

1) मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (पी)
2) महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम, महाराष्ट्र (जी)
3) सेंटर फॉर आर्थराइटिस एंड रयूमेटिज्म एक्सीलेंस, केरल– भारत (पी)
4) सेंट जॉन्स नेशनल एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज बैंगलोर (पी)
5) कुसुम धीरजलाल अस्पताल अहमदाबाद, गुजरात (पी)
6) पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ (जी)

सीटीएन (ऑन्कोलॉजी) के लिए, निम्नलिखित प्रतिभागियों ने क्रम□ः मॉड्यूल 1 (10–12–2021), मॉड्यूल 2 (17–12–2021) और मॉड्यूल 3 (24–12–2021) के लिए 93 उपस्थित लोगों की भागीदारी के साथ पंजीकरण कराया:

1) टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई
2) एक्ट्रेक, नवी मुंबई
3) डॉ भुवनेश्वर बोरूआ कैंसर संस्थान गुवाहाटी, असम
4) होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
5) कैंसर इंस्टीट्यूट डब्ल्यूआईए, चेन्नई

6) मालाबार कैंसर सेंटर, केरल
7) मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली
8) एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग
9) क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम,
10) क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु, भारत
11) कछार कैंसर अस्पताल, एन.एस. एवेन्यू, मेहरपुर, सिलचर, असम, भारत

ऑनलाइन गुड क्लिनिकल लैबोरेट्री प्रैक्टिस कार्यक्रम

यह 09, 16, 23 और 30 नवंबर, 2021 (4 मॉड्यूल) को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सीडीएसए, टीएचएसटीआई द्वारा बायोटेक कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड के सहयोग से बाइरैक–राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के प्रायोजन से आयोजित किया गया। प्रत्येक मॉड्यूल में देश भर से विभिन्न उद्योगों/स्टार्ट–अप, शोधकर्ताओं, शिक्षा जगत से आये लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किये गये और जिसमें सत्र विराम, संवादमूलक प्रश्नोत्तरी, समूह अभ्यास/मामलों का अध्ययन एवं बहिर्गमन मूल्यांकन के साथ चार (04)– चार घंटे के तीन (03) वेबिनार थे।

गुड क्लिनिकल लेबोरेटरी प्रैक्टिस कार्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं:–

एल1 जीसीएलपी, जीसीएलपी सिद्धांतों, सीजीएलपी के कार्यान्वयन को प्रतिपादित करना
एल2 राष्ट्रीय जीसीएलपी दिशानिर्देश – जीसीएलपी 2021 के लिए आईसीएमआर दिशानिर्देश: एक सिंहावलोकन
एल3 अंतर्राष्ट्रीय जीसीएलपी दिशानिर्देश – डीएआईडीएस जीसीएलपी दिशानिर्देश 2021 और डब्ल्यूएचओ जीसीएलपी दिशानिर्देश 2009: एक सिंहावलोकन
एल4 अवसंरचना, संगठन और कार्मिक
एल5 उपकरण, अभिकर्मक और सामग्री
एल6 परीक्षा पूर्व प्रक्रिया
एल7 परीक्षा प्रक्रिया
एल8 परीक्षा के बाद की प्रक्रिया
एल9 विधि प्रमाणीकरण एवं सत्यापन
एल10 प्रयोगशालाओं में सुरक्षा
एल11 गुणवत्ता प्रबंधन
एल12 जोखिम प्रबंधन
एल13 गुणवत्ता संकेतक
एल14 आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण
एल15 बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन/प्रवीणता परीक्षण
एल16 नैतिक विचार – प्रयोगशालाएँ
एल17 डेटा प्रबंधन
एल18 प्रयोगशाला सूचना प्रणाली
एल19 आंतरिक लेखा परीक्षा
एल20 जीसीएलपी: क्या करें और क्या न करें?

''बायो–सिग्नल अभिग्रहण और विश्लेषण'' पर प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीएसआईआर–सीएसआईओ में 29 नवंबर, 2021 से 03 दिसंबर, 2021 के दौरान ''बायो–सिग्नल अभिग्रहण एवं विश्लेषण'' पर एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला में देश भर के विभिन्न उद्योगों/स्टार्ट–अप, शोधकर्ताओं, शिक्षा जगत से आये लगभग 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएसआईआर–सीएसआईओ वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा आयोजित इंस्ट्रुमेंटेशन कार्यक्रम को शामिल करते हुए प्रतिदिन परिचयात्मक व्याख्यान और व्यावहारिक उन्मुख प्रायोगिक कार्यान्वयन कार्यक्रम निर्धारित किये गये।

''बायो–सिग्नल अभिग्रहण और विश्लेषण'' पर कार्यशाला प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ

एनबीएम अनुदान ग्राहियों के लिए पर्यावरण संबंधी सावधानी

पर्यावरण, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन ढांचे (ईएमएफ) की आवश्यकता को पूरा करना अर्थात ईएचआरएमपी की समीक्षा और मूल्यांकन द्वारा उनकी परियोजना गतिविधि के दौरान किए जा रहे/योजनाबद्ध सम्बद्ध पर्यावरणीय, स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन उपायों एवं अनुदानग्राही परियोजना और ईएमएफ की आवश्यकता के अनुसार अनुदानग्राही द्वारा प्रस्तुत किए गए अन्य सहायक दस्तावेजों के बारे में समझना और सुझावों के साथ निरीक्षण रिपोर्ट प्रदान करना, पर्यावरण कानूनों, अधिनियमों और नियमों पर प्रशिक्षण प्रदान करना जो मूल रूप से एनबीएम पर्यावरण सलाहकार द्वारा अनुदान ग्राही के लिए लागू होते हैं, कुल मिलाकर डीबीटी – विश्व बैंक की ईएमएफ आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनका मार्गदर्शन करते हैं।

क्र.सं.	संगठन	तिथि	प्रस्ताव शीर्षक
1	केआईआईटी विश्वविद्यालय	05/11/21	केआईआईटी प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय टीटीओ की स्थापना।
2	सेंटर फॉर सेलुलर एंड मोलिक्यूलर प्लेटफार्म्स (सी–कैंप)	05/11/21	सी–कैंप में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय की स्थापना।
3	एससीटीआईएमएसटी–टीआईमेड	08/11/21	एससीटीआईएमएसटी–टीआईमेड में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय टीटीओ की स्थापना।
4	बायोटेक कंसोर्टियम ऑफ इंडिया लिमिटेड (बीसीआईएल)	09/11/21	बीसीआईएल में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय टीटीओ की स्थापना
5	एफआईटीटी (फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर)	15/11/21	फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालयों की स्थापना।
6	उद्यमिता विकास केंद्र ईडीसी	11/11/21	उद्यमिता विकास केंद्र (ईडीसी) में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय टीटीओ की स्थापना।
7	आईकेपी नॉलेज पार्क	12/11/21	आईकेपी नॉलेज पार्क में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय (टीटीओ) की स्थापना।
8	टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई	19/11/21	दवा और उपकरण विकास के क्षेत्र में बहु–केंद्रित सहयोगी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड में नैदानिक परीक्षण इकाइयों का एक तैयार तंत्र स्थापित करना।
	एक्ट्रेक, नवी मुंबई		
	डॉ भुवनेश्वर बोरूआ कैंसर संस्थान गुवाहाटी, असम		
	होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणसी, उत्तर प्रदेश		
	कैंसर संस्थान डब्ल्यूआईए, चेन्नई		
	मालाबार कैंसर सेंटर, केरल		
	मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली		
	एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग		
	क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु, भारत		
	कछार कैंसर अस्पताल, एन.एस. एवेन्यू, मेहरपुर, सिलचर, असम, भारत		

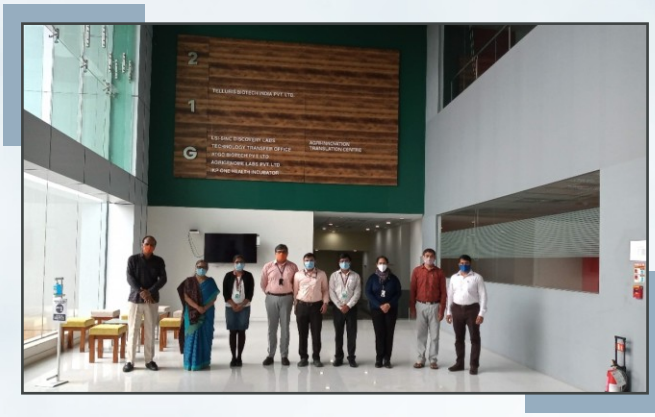

केआईपी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय टीटीओ हेतु पर्यावरण संबंधी सावधानी के दौरान ई–अपशिष्ट प्रबंधन एवं नियमों पर प्रशिक्षण

1359
लाभार्थियों
का समर्थन किया

60
बायोइन्क्यूबेटरों
का समर्थन किया

4
क्षेत्रीय एवं
उद्यमिता विकास
केंद्र

बाइरैक द्वारा
₹ 2798 करोड़
की वित्त पोषण सहायता

₹ 1444 करोड़
की उद्योग
प्रतिबद्धता

333
शैक्षणिक संस्थानों
का समर्थन किया

प्रेरण नवप्रवर्तन व्यवसाय

₹ 4242 करोड़
का कुल वित्त
पोषण

10000
से अधिक लोगों का
कौशल विकास और
नेटवर्क तक पहुँच

645674
वर्ग फुट का
इन्क्यूबेशन स्थल

₹ 363 करोड़+
सभी 3 इक्विटी योजनाओं
ऐस, सीड एवं लीप फंड
द्वारा सौंपी गई निधियों
का कुल फंड

781
कंपनियों
का समर्थन किया

16
बायोइन्क्यूबेटरों का
इक्विटी आधारित सीड फंड
के अंतर्गत समर्थन किया

298
पेटेंट दर्ज

166
उत्पाद एवं
प्रौद्योगिकियाँ

1015
स्टार्ट–अप,
उद्यमी और एसएमई

विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

प्रथम तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003, भारत

टेलीफोनः +91–11–24389600 | फैक्सः +91–11–24389611

ई–मेलः birac.bdt@nic.in | वेबसाइटः www.birac.nic.in

हमें ट्विटर : @BIRAC_2012 पर फॉलो करें।